संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-20 अंक- 328
पृष्ठ 8
रविवार
18 अगस्त 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- कद्दू के बीज में छिपा...

विचार- रोजगार विहीन विकास की रणनीति...

खेल- ईशान किशन ने घरेलू क्रिकेट में...

पीएम मोदी ने 'ग्लोबल डेवलपमेंट कॉम्पैक्ट' का प्रस्ताव रखा

जरूरतमंद देशों की मदद करेगी नई पहल

25 लाख डॉलर का विशेष कोष शुरू करेगा भारत

उन्होंने कहा, ष्हम व्यापार, सतत विकास के लिए क्षमता निर्माण, तकनीक साझा करने, परियोजनाओं के लिए वित्तीय मदद और अनुदान पर फोकस करेंगे। भारत व्यापार को प्रोत्साहन देने के लिए 25 लाख डॉलर का विशेष कोष शुरू करेगा। क्षमता निर्माण के लिए व्यापार नीति के लिए प्रशिक्षण दिया जाएगा।ष उन्होंने आगे कहा कि दुनियाभर के संघर्षों और तनावों का समाधान एक न्यायपूर्ण और समावेशी वैश्विक शासन में है।

नयी दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को एक नई पहल ग्लोबल डेवलपमेंट कॉम्पैक्ट का एलान किया। यह पहल खासतौर पर वैश्विक दक्षिण के देशों के लिए होगी और इसका फोकस व्यापार, स्थिर विकास, तकनीकी साझा करने और परियोजनाओं के लिए आसान वित्तीय मदद पर होगा। यह पहल भारत के विकास के अनुभवों पर आधारित होगी।

जरूरतमंद देशों को नहीं उठाना पड़ेगा कर्ज का बोझ

पीएम मोदी ने कहा कि इस योजना के तहत जरूरतमंद देशों को विकास के नाम पर कर्ज का बोझ नहीं उठाना पड़ेगा। इस नई पहल का एलान भारत की मेजबानी में आयोजित तीसरे श्वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथश सम्मेलन में किया गया। प्रधानमंत्री ने कहा कि श्ग्लोबल डेवलपमेंट कॉम्पैक्टश वैश्विक दक्षिण के देशों की विकास प्राथमिकताओं पर केंद्रित होगा।

साझेदार देशों का होगा संतुलित और स्थिर विकास

समापन सत्र में उन्होंने कहा, ष्मैं भारत की ओर से एक व्यापक श्ग्लोबल डेवलपमेंट कॉम्पैक्टश का प्रस्ताव करता हूं। इसका आधार भारत की विकास यात्रा और साझेदारों के अनुभव पर होगा। मोदी ने कहा, ष्यह पहल मानव–केंद्रित होगी और विकास के एक व्यापक दृष्टिकोण को बढ़ावा देगी। विकास वित्त के नाम पर जरूरतमंद देशों पर कर्ज का बोझ नहीं डालेगी।ष प्रधानमंत्री ने कहा कि इस योजना से साझेदार देशों का संतुलित और स्थिर विकास होगा।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने डॉक्टरों से की हड़ताल खत्म करने की अपील, कमेटी बनाने का दिया आश्वासन

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता के एक सरकारी अस्पताल में महिला डॉक्टर की हत्या और बलात्कार के मामले में देशभर में डॉक्टरों की हड़ताल जारी है। इस हड़ताल को इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के आह्वान पर बुलाया गया है। देश भर के सभी सरकारी और निजी अस्पतालों में 24 घंटे तक डॉक्टर हड़ताल पर रहने वाले है। राष्ट्रव्यापी काम बंद हड़ताल की शुरुआत 17 अगस्त सुबह छह बजे से हुई थी जो अब भी जारी है।

इस हड़ताल के दौरान आवश्यक सेवाएं जारी है ताकि किसी मरीज के परेशानी ना हो। इसके साथ ही कैजुअल्टी वॉर्ड भी चालू हैं। हालांकि काम बंद हड़ताल के दौरान ओपीडी और सर्जरी विभाग में काम नहीं हो रहा है। इस काम बंद हड़ताल को फेडरेशन ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन (फोर्डा), इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) और दिल्ली के सरकारी मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों के रेजिडेंट डॉक्टर्स

एसोसिएशन का भी समर्थन मिला है। इसी बीच फोर्डा, आईएमए और दिल्ली के रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने नई दिल्ली में केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय से मुलाकात की है। ये मुलाकात डॉक्टर की स्ट्राइक के बीच में की गई है। इस दौरान डॉक्टरों की सुरक्षा को लेकर व अन्य मांगों पर स्वास्थ्य मंत्रालय के साथ चर्चा हुई है।

हिमाचल प्रदेश में बादल फटने से आई अचानक बाढ़ की घटना में अबतक 32 लोगों की मौत

नयी दिल्ली (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के तीन जिलों में 31 जुलाई को बादल फटने से आई अचानक बाढ़ की घटना में चार और शव बरामद होने

के साथ ही मरने वालों की संख्या बढ़कर 32 हो गई है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि कुल्लू के निरमंड, सैंज और मलाणा, मंडी पधर और शिमला के रामपुर उपमंडल में अचानक आई बाढ़ की घटना में कम से कम 23 लोग अब भी लापता हैं।

शिमला के पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार गांधी ने पीटीआई– को बताया कि रामपुर के आसपास सुन्नी बांध और सतलुज नदी के किनारे से चार शव बरामद किए गए हैं। जिले में करीब 14 लोग अब भी लापता हैं।

उन्होंने कहा कि घटनास्थल से शुक्रवार को एक शव बरामद किया गया, जबकि पिछले छह दिनों में तीन शव बरामद किए गए हैं। रामपुर से बरामद 19 शवों में से 11 की पहचान डीऑक्सीराइबोन्यूक्लिक एसिड (डीएनए) के जरिये की गई है। अधीक्षक ने बताया कि मंडी के राजभान गांव में नौ शव और कुल्लू के निरमंडध्बागीपुल में चार शव बरामद किए गए हैं।

युवाओं के भविष्य के साथ नहीं होने देंगे खिलवाड़ : सीएम योगी

● आज यूपी निवेश के लिए ड्रीम डेस्टिनेशन : मुख्यमंत्री

अंबेडकरनगर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि युवाओं के भविष्य के साथ किसी को भी खिलवाड़ करने की छूट नहीं दी जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि अगर कोई खिलवाड़ करेगा तो उसकी पूरी संपत्ति जब्त कर दी जाएगी। योगी आदित्यनाथ जनपद स्तरीय वृहद रोजगार एवं ऋण मेला के अंतर्गत जनपद अम्बेडकरनगर में युवाओं को नियुक्ति–पत्र, विभिन्न योजनाओं के पात्रों को ऋण और विद्यार्थियों को टैबलेट वितरण हेतु आयोजित कार्यक्रम में बोले रहे थे।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 7 साल पहले उत्तर प्रदेश को भारत का श्डार्क स्पॉटश माना जाता था। कहा जाता था कि यूपी भारत के विकास में बाधक है। आज यूपी एक उजला स्थान बन गया है और भारत के विकास में अपना योगदान देने में सबसे आगे है। यहां दंगे और अराजकता थी, माफिया हावी थे, बेटियां और व्यापारी सुरक्षित नहीं थे। उन्होंने कहा कि आज यूपी निवेश के लिए एक ड्रीम डेस्टिनेशन है। हम किसी को भी युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ नहीं करने देंगे। एक समय था जब वैकेंसी निकलती थी और चाचा–भतीजा की टोलियां वसूली पर निकल जाती थीं।

मुख्यमंत्री ने साफ कहा कि अगर अब कोई ऐसा करेगा तो हम उसकी संपत्ति जब्त कर लेंगे और उसे गरीबों में बांट देंगे, महिलाओं के लिए कल्याण गृह बना देंगे। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन के अवसर पर बहनों और बेटियों को 24 घंटे के लिए उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की बसों में फ्री सेवा की सुविधा हम लोग उपलब्ध करवाने जा रहे हैं।अपने साथ परिवार के किसी एक सदस्य को भी लेकर जा सकती हैं। योगी ने आगे कहा कि उत्तर प्रदेश पुलिस में 60 हजार से अधिक नौजवानों को भर्ती करने की परीक्षा होने जा रही है। इसमें 20 फीसदी बेटियों को भर्ती करेंगे, ताकि वे सड़कों पर शोहदों का ठीक से उपचार कर सकें।

इससे पहले योगी आदित्यनाथ ने कहा था कि उनकी सरकार अयोध्या, प्रयागराज, वाराणसी और गोरखपुर को ''सोलर सिटी'' के रूप में विकसित कर रही है।

विरोध के बीच बंगाल सरकार ने 40 से अधिक डॉक्टरों का किया तबादला

कोलकत्ता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल सरकार ने आज देश भर में चल रहे विरोध प्रदर्शन के बीच करीब 43 डॉक्टरों के तबादले का आदेश दिया है। यह विरोध प्रदर्शन आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में कोलकाता बलात्कार–हत्या मामले के कारण हो रहा है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से तबादलों के संबंध में 15 अगस्त (गुरुवार) को जारी सरकारी अधिसूचना के सामने आने के बाद, चिकित्सा बिरादरी और विपक्षी दलों ने दावा किया कि एक साथ कई डॉक्टरों का तबादला राज्य सरकार के प्रतिशोधात्मक रवैये को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि इन 43 डॉक्टरों को मेडिकल छात्रों और जूनियर डॉक्टरों के नेतृत्व में आंदोलन में शामिल होने के लिए दंडित किया गया है।

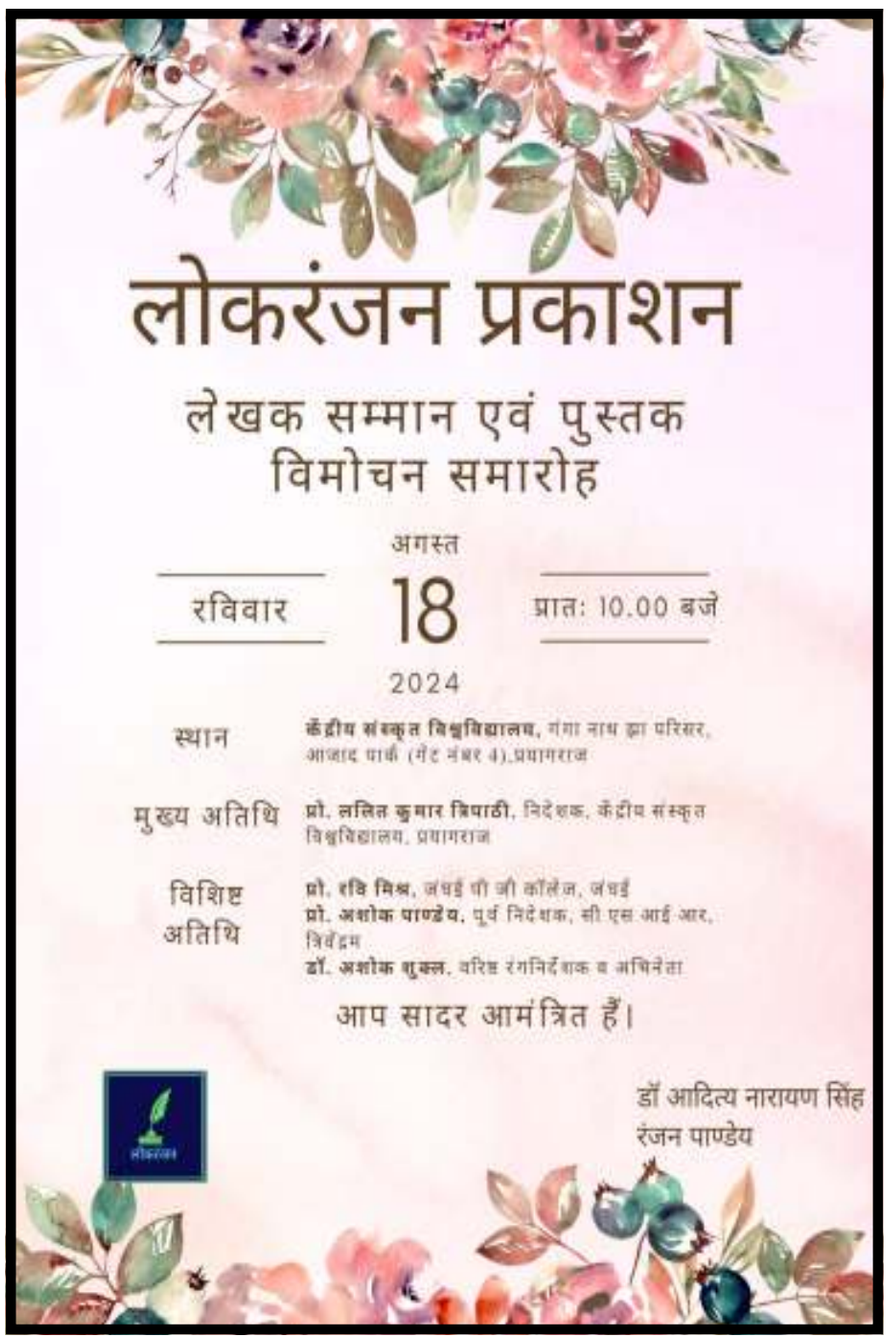

राज्यपाल का फैसला संविधान विरोधी : सिद्धारमैया

पूरी पार्टी मेरे साथ, डीके शिवकुमार का भी आया बयान

कर्नाटक (एजेंसी)। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के खिलाफ कर्नाटक के राज्यपाल द्वारा कथित डन्क। घोटाले में मुकदमा चलाने की अनुमति दिए जाने को लेकर लेकर राजनीति तेज हो गई है। भाजपा पूरे मामले को लेकर जबरदस्त तरीके से हमलावर है। हालांकि, पूरे मामले को लेकर मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने अपनी चुप्पी तोड़ी है। सिद्धारमैया ने कहा कि पूरा मंत्रिमंडल, पार्टी हाईकमान, सभी विधायक, एमएलसी, लोकसभा और राज्यसभा सांसद मेरे साथ हैं। उन्होंने कहा कि कर्नाटक के राज्यपाल का फैसला संविधान विरोधी और कानून के खिलाफ है। इसे अदालत में चुनौती दी जाएगी।

कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार का भी बयान सामने आया है। डीके शिवकुमार ने कहा कि यह पूरी तरह से असंवैधानिक और कानून के खिलाफ है। सीएम सिद्धारमैया के नेतृत्व में एक मजबूत सरकार है। वे (बीजेपी) राज्यपाल के कार्यालय का उपयोग करके सरकार को अस्थिर करने की कोशिश कर रहे हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि मेरे सीएम किसी दबाव में नहीं आएंगे। उनके इस्तीफा देने का कोई सवाल ही नहीं है। वे पद पर बने रहेंगे। हम सब एकजुट हैं, पूरी पार्टी उनके साथ खड़ी है।

सीएम का बचाव करते हुए शिवकुमार ने कहा कि उन्होंने अपने कार्यकाल में कुछ भी गलत नहीं किया है। यह पूरी तरह से एक राजनीतिक मुद्दा है। राज्यपाल के कार्यालय का इस बीजेपी सरकार द्वारा दुरुपयोग किया गया है...हम इसके खिलाफ कानूनी तरीके से लड़ेंगे। हमें इस देश के कानून पर पूरा भरोसा है और मेरी सरकार की रक्षा की जाएगी। उन्होंने कहा कि हम सीएम सिद्धारमैया के साथ खड़े हैं।

कुर्सी पर बोझ बनने के लिए नहीं आए : शिवराज

बुधनी (सीहोर) (एजेंसी)। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज कहा कि वे कुर्सी पर बोझ बनने के लिए नहीं आए और उन्हें लगता है कि अगर ठीक से काम करना है तो खूंटा गाड़ कर बैठ जाएं। श्री चौहान ने अपने लोकसभा क्षेत्र विदिशा के बुधनी विधानसभा क्षेत्र में तिरंगा यात्रा निकाली। इस दौरान वे अपना संबोधन दे रहे थे। बुधनी उनका पूर्व विधानसभा क्षेत्र हैं। प्रदेश के मुख्यमंत्री रहने के दौरान वे यहीं से विधायक थे।

शरद पवार का पीएम पर निशाना, बोले

एक साथ क्यों नहीं करा रहे चुनाव

– पीएम मोदी जो कहते हैं उसमें बिल्कुल सच्चाई नहीं है

नागपुर (एजेंसी)। विधानसभा चुनाव को लेकर एनसीपी नेता शरद पवार ने पीएम नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी एक राष्ट्र एक चुनाव की वकालत करते हैं, फिर भी आगामी समय में राज्यों में विधानसभा चुनाव अलग–अलग समय पर कराए जा रहे हैं। इससे साफ है कि पीएम मोदी जो कहते हैं उसमें बिल्कुल सच्चाई नहीं है।

सार संक्षेप

दिल्ली चुनाव के लिए बीजेपी का मास्टरप्लान

नयी दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में अगले साल की शुरूआत में विधानसभा के चुनाव होने हैं। मुख्य मुकाबला भाजपा और आम आदमी पार्टी के बीच ही रहने की संभावना है। ऐसे में दोंनों दलों की ओर से चुनावी तैयारिया शुरू हो चुकी हैं। इसको लेकर भाजपा ने अपना मास्टर प्लान भी तैयार कर लिया है। भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने पार्टी के तीन बड़े नेताओं को खास निर्देश दिए हैं। वहीं, भारतीय क्रिकेट टीम के मौजूदा कोच और पूर्व भाजपा सांसद गौतम गंभीर को लेकर भी बड़ी खबर सामने आ रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, बीजेपी दिल्ली के अपने पूर्व सांसदों को अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में अपनी ताकत साबित करने का एक मौका दे सकती है। सूत्रों ने बताया कि बीजेपी के वरिष्ठ नेतृत्व ने तीन पूर्व सांसदों रमेश बिधूड़ी, प्रवेश वर्मा और मीनाक्षी लेखी को अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए जमीन पर काम करने के निर्देश दिए हैं।

उदयपुर चाकूबाजी के आरोपी के घर पर चलेगा बुलडोजर

जयपुर। राजस्थान के उदयपुर में सांप्रदायिक तनाव के बाद, अधिकारियों ने शनिवार को अपने सहपाठी पर हमला करने वाले चाकूबाज के घर को बुलडोजर से गिरा दिया। हालाँकि झगड़े का कारण अज्ञात था, लेकिन इस घटना ने सांप्रदायिक झड़पों को भड़का दिया, जिसके कारण अधिकारियों ने शहर में धारा 144 लागू कर दी। यह घटना भट्टियानी चोहट्टा के एक सरकारी स्कूल में हुई, जहाँ कक्षा 10 के एक छात्र ने दूसरे लड़के को चाकू मार दिया। हालाँकि झगड़े का तात्कालिक कारण अभी भी जांच के दायरे में है, लेकिन पुलिस ने बताया कि इस घटना के बाद पूरे शहर में हिंसा भड़क उठी, गुस्साई भीड़ ने पथराव किया और तीन या चार कारों को आग लगा दी। उदयपुर कलेक्टर अरविंद कुमार पोसवाल ने कहा कि हमारी प्राथमिकता है कि बच्चे को उचित इलाज मिले। बच्चे की हालत में सुधार है। मैं सभी से अनुरोध करता हूं कि अफवाह न फैलाएं। आरोपियों को हिरासत में लिया गया है ताकि पता लगाया जा सके कि उनके पास अवैध हथियार कहां से आए। दो बच्चों के बीच हुई झड़प के बाद शहर में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

आगरा में अब मेट्रो 'स्वचालित मोड' में चलेगी

आगरा। आगरा मेट्रो के गलियारे–1 के अंतर्गत आने वाले ताज पूर्वी गेट से मनकामेश्वर मेट्रो स्टेशन तक शुक्रवार से मेट्रो ट्रेन का संचालन 'ऑटोमेटिक ट्रेन ऑपरेशन मोड' (एटीओ) पर शुरू हो गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इससे पहले मेट्रो ट्रेन 'ऑटोमेटिक ट्रेन प्रोटेक्शन मोड' (एटीपी) में चल रहीं थीं, जो यात्रियों की सुरक्षा के मद्देनजर स्वचालित ब्रेकिंग जैसी विशेषताओं से युक्त था और इसके साथ ही इस मोड के अंतर्गत ट्रेन के संचालन में 'ट्रेन ऑपरेटर' अहम भूमिका निभाते थे। आज से आरंभ हुए एटीओ मोड में संचालन से जुड़ी अधिकतर क्रियाएं स्वचालित होंगी। इस मोड में संचालन से जुड़े अधिकतर कार्य स्वचालित होने की वजह से किसी मानवीय भूल की संभावना भी लगभग ना के बराबर होगी।

सुल्तानपुर में जल निगम के इंजीनियर की पीट-पीटकर हत्या

ठेकेदार का पेमेंट रोकने पर एई ने मार डाला, हाथ-पैर बांधकर मुंह पर टेप चिपकाया

प्रयागराज। सुल्तानपुर में दिनदहाड़े जल निगम के एक्सईएन (अधिशासी अभियंता) की पीट–पीट कर हत्या कर दी गई। सुबह साढ़े 9 बजे बदमाश घर में घुसे। एक्सईन के मुंह पर टेप बांधा और ड्राइवर के सामने लाठी–डंडों से पीटा, फिर फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही क्ड कृतिका ज्योत्सना, एसपी सोमेन वर्मा मौके पर पहुंचे। फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल पर जांच–पड़ताल की।

पुलिस की पूछताछ में एक्सईएन के ड्राइवर ने बताया– बदमाशों ने साहब को बांधकर मारा है। संतोष कुमार के भाई संजय की तहरीर पर पुलिस ने सहायक अभियंता (एई) अमित कुमार के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि ठेकेदार का पेमेंट रोकने और काम की जांच करवाने को लेकर अमित कुमार ने हत्या की है।

एक्सईएन संतोष कुमार (35) बलिया के रहने वाले थे। पिता प्रयागराज में रेलवे के अधिकारी हैं। इसलिए परिवार कैंट में रेलवे कॉलोनी में रहता है। संतोष कुमार फरवरी 2023 से सुल्तानपुर में तैनात थे। पत्नी ममता (37) NHAI में कर्मचारी हैं। उनके दो बेटियां हैं।

संतोष कुमार विनोबापुरी मोहल्ले में किराए के मकान में अकेले रहते थे। यह मकान एक DIG का बताया जा रहा है। हालांकि मकान मालिक यहां नहीं रहते हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार तीन व्यक्ति सुबह गाड़ी से मौके पर पहुंचे थे। वारदात को अंजाम देने के बाद फरार हो गए।

अधिशासी अभियंता के ड्राइवर संदीप ने बताया– मैं भी साहब के साथ ही रहता हूं। सुबह उठा तो एई (सहायक अभियंता) अमित कुमार दो लोंगों के साथ घर के अंदर घुस रहे थे। मैं नीचे पहुंचा तो उन्होंने मुझे दही–जलेबी लाने के लिए भेज दिया। वापस लौटा तो देखा कि एक्सईएन साहब के मुंह पर टेप लगाकर हाथ–पैर बेल्ट से बांधकर AE उन्हें पीट रहे थे। उनके मुंह से खून बह रहा था।

मुझे जान से मारने की ध ामकी दी

ड्राइवर ने बताया– मैंने चिल्लाने की कोशिश की तो उन लोगों ने मुझे जान से मारने की धमकी दी और फरार हो गए। उनके भागते ही मैंने शोर मचाकर लोगों को बुलाया। मेरी आवाज सुनकर जल निगम दफ्तर से गार्ड और आसपास के लोग पहुंचे। एक्सईएन को जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

एसपी बोले– कमरे में मिला शव

एसपी सोमेन वर्मा ने बताया– अधिशासी अभियंता संतोष कुमार का शव उनके कमरे में मिला है। उनके घरवालों को सूचना दी गई है। खुलासे के लिए पुलिस की चार टीमें लगा दी गई हैं। पूछताछ में विभागीय के एई अमित कुमार संलिप्तता की बात सामने आई है।

जिला अस्पताल पहुंचे जल निगम के सहायक अभियंता प्रवीण सिंह ने बताया– सुबह उनके पास ड्राइवर संदीप का फोन आया, उसने बताया कि साहब जल्दी आइए। कुछ लोगों ने साहब को मार दिया है। सीएमएस डॉ. एसके गोयल ने बताया कि डॉ. रविन्द्र और डॉ. अविनाश का पैनल पोस्टमॉर्टम कर रहा है। वीडियो ग्राफी भी कराई जा रही है।

कांग्रेस ने कहा– प्रदेश में कोई सुरक्षित नहीं

घटना को लेकर कांग्रेस के राष्ट्रीय मीडिया कोऑर्डिनेटर राजेश तिवारी ने कहा– प्रदेश में कोई भी सुरक्षित नहीं है। दिन दहाड़े इंजीनियर की हत्या इसका उदाहरण है। मुख्यमंत्री सिर्फ चेहरा चमकाने में लगे हैं, बातें राम राज्य की और हालात रावण के राज से भी बदतर है। बीजेपी के नेता सिर्फ बयानवीर हैं, किसी का परिवार उजड़ गया और पुलिस देखती रह गई।

प्रमोद तिवारी ने डॉक्टरों की हड़ताल का समर्थन किया

कांग्रेस नेता ने कहा– फास्ट ट्रैक कोर्ट में हो डॉक्टर से दुष्कर्म और हत्या के मामले में सुनवाई

प्रयागराज। कोलकाता के मेडिकल कॉलेज जूनियर महिला डॉक्टर के साथ हुई हैवानियत की घटना पर कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने दुख जताया। राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने डाक्टर्स की हड़ताल का समर्थन किया।

कहा कि सीबीआई इस घटना की जांच जल्दी पूरी करे। इस तरह की वीभत्स घटना चाहे कोलकाता, बिहार, उत्तराखंड या दिल्ली के चिकित्सकों के साथ हो, वह अमानवीय है। यह चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि मामले की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में की जाए। हम दोषियों के खिलाफ मृत्युदंड की भी मांग करेंगे। इस दौरान पूर्व विधायक विजय प्रकाश, जिलाध्यक्ष सुरेश यादव, सुधाकर तिवारी, तलत अजीम, संजय तिवारी, मुकुंद तिवारी, हसीब अहमद, हरिकेश त्रिपाठी, मनोज पासी, लाल सिंह पटेल समेत आदि लोग मौजूद रहे।

जन्माष्टमी पर बांके बिहारी मंदिर के अंदर होगी लाइव स्ट्रीमिंग

हाईकोर्ट ने 25 से 29 अगस्त तक जिला प्रशासन को सौंपी कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बांके बिहारी मंदिर में 25 से 29 अगस्त 24 तक चलने वाले जन्माष्टमी पर्व के दौरान कानून व्यवस्था की जवाबदेही जिला प्रशासन को सौंपी है। कोर्ट ने राज्य सरकार की भीड़ नियंत्रण योजना के तहत लाइव स्ट्रीमिंग की व्यवस्था को मंदिर के भीतर तक ही सीमित रखने का आदेश दिया है। कोर्ट ने सरकार की शेष योजना को जारी रखने की अनुमति दी है। कोर्ट ने रिसीवर के जरिए 1939 से चल रही मंदिर व्यवस्था के तहत सिविल जज जूनियर डिवीजन मथुरा के परामर्श से

सीसीटीवी कैमरे लगाने की छूट दी है। हाईकोर्ट ने जिलाधिकारी को आदेश दिया है कि वह सिविल जज के निर्देश का अनुपालन कराएं। 1939 के मुंसिफ के आदेश से भीड़ प्रबंधन, मंदिर प्रबंधन देख रहा है, जो रिसीवर द्वारा किया जा रहा है। हालांकि इसे हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है। कोर्ट ने कहा– अभी सरकारी योजनाओं सहित मंदिर प्रबंधन की देखरेख में जन्माष्टमी पर्व के इंतजाम किए जाएंगे। याचिका की अगली सुनवाई 28 अगस्त को होगी। यह आदेश न्यायमूर्ति सिद्धार्थ वर्मा तथा न्यायमूर्ति राम मनोहर नारायण मिश्र की खंडपीठ ने अनंत शर्मा व एक अन्य की जनहित याचिका की सुनवाई करते हुए दिया।

कोर्ट ने 8 नवंबर 23 को सरकार को भीड़ प्रबंधन को लेकर कुछ निर्देश जारी किए थे। इनका पालन नहीं किया जा सका। अब सरकार ने अर्जी देकर निर्देशों में संशोधन की मांग की गई है। लोगों ने सरकार की मांग पर आपत्ति की और कहा भीड़ नियंत्रण कोर्ट के आदेश से नहीं हो सकता। सरकार ने हलफनामा दायर कर कहा जन्माष्टमी पर्व पर उचित इंतजाम किया जाएगा। मंदिर के अंदर व बाहर लाइव स्ट्रीमिंग की जाएगी। विभिन्न स्थानों पर बाहर स्क्रीन लगाई जाएगी। साथ ही भीड़ नियंत्रण के लिए बैरिकेडिंग की जाएगी। एक समय में एक निश्चित संख्या मंदिर में प्रवेश करेगी। जिला प्रशासन बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं की देखभाल व्यवस्था करेगा। ठाकुर बांके बिहारी जी विराजमान मंदिर में मंगला आरती के समय 2023 मे बनी कमेटी ने 600 लोगो के प्रवेश की अनुमति दी है। पूरे क्षेत्र को 3 जोन व 10 सेक्टर में बांटा गया है। मेले के दौरान एडीएम व एसपी जोन एरिया में व एसडीएम व डीएसपी सेक्टर में तैनात रहेंगे। दर्शन के समय मंदिर में भीड़ रुकने नहीं पायेगी। अधिवक्ता संकल्प गोस्वामी ने मंदिर के बाहर लाइव स्ट्रीमिंग का विरोध किया। जिस पर कोर्ट ने केवल मंदिर के भीतर ही लाइव स्ट्रीमिंग की अनुमति दी है।

69 हजार शिक्षक भर्ती मामले में विधि विशेषज्ञ अध्ययन करेंगे

यूपी सरकार के मंत्री दयाशंकर सिंह बोले– जरूरत पड़ने पर सरकार आगे का निर्णय लेगी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री दयाशंकर सिंह शनिवार को एक कार्यक्रम में शामिल होने प्रयागराज आए। 69

हजार शिक्षक भर्ती मामले में आरक्षण को लेकर दिए गए इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले पर मंत्री दयाशंकर सिंह ने कई बातें कहीं। उन्होंने कहा कि विधि विशेषज्ञ हाईकोर्ट के फैसले का अध्ययन करेगें। दयाशंकर सिंह ने कहा कि जरूरत पड़ेगी तो सरकार हाईकोर्ट के फैसले को लेकर आगे का निर्णय लेगी। अभी कोर्ट के फैसले पर सरकार विधि विशेषज्ञों की राय ले रही है। प्रयागराज की फूलपुर समेत यूपी की दस सीटों पर होने वाले विधानसभा उपचुनाव को लेकर परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने दावा करते हुए कहा कि उपचुनाव में बीजेपी सभी दस विध ानसभा सीटों पर जीतेगी। उन्होंने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में विपक्ष ने लोगों को गुमराह करके कुछ सफलता जरूर हासिल कर ली थी। अब ऐसा नहीं होगा। कांठ की हांडी बार बार नहीं चढ़ती है। मंत्री कहा कि फूलपुर विधानसभा उपचुनाव की तैयारियों के संबंध में जरूरी बैठक हुई है। बैठक में पार्टी से जुड़े जनप्रतिंधियों को अभी से उपचुनाव की तैयारियों में जुटने का निर्देश दिया गया है। बैठक में यूपी सरकार के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और मंत्री राकेश सचान भी शामिल हुए।

5 दिन में 8 हजार मरीज बिना इलाज के लौटे

प्रयागराज के एसआरएन हॉस्पिटल में रेजिडेंट डॉक्टरों की हड़ताल, स्वास्थ्य सेवाएं बदहाल

प्रयागराज। रेजिडेंट डॉक्टरों के हड़ताल पर जाने से एसआरएन हॉस्पिटल की स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह से धड़ाम हो गई है। 12 अगस्त से यहां रेजिडेंट डॉक्टर व मेडिकल की पढ़ाई कर रहे छात्र कार्य बहिष्कार कर हड़ताल पर बैठ गए हैं। पिछले 5 दिनों में 8 हजार से ज्यादा मरीज बिना इलाज के ही लौट गए हैं।

दरअसल, एसआरएन अस्पताल में सिर्फ प्रयागराज ही नहीं बल्कि आसपास के जिलों से भी बड़ी संख्या में मरीज यहां इलाज के लिए आते हैं। प्रतिदिन औसतन 2 हजार की ओपीडी यहां होती है। लोग जब अस्पताल पहुंचते हैं तो पता चलता है कि पर्चा नहीं बनेगा क्योंकि डॉक्टरों की हड़ताल पर हैं। दरअसल, कोलकाता में लेडी डॉक्टर के साथ हुई दरिंदगी के बाद से डॉक्टर हड़ताल पर चल रहे हैं।

2 घंटे तक स्ट्रेचर पर हांफता रहा मरीज

यहां सीरियस मरीजों को भी इलाज नहीं मिल पा रहा है। कल शुक्रवार तो पूरी तरह से ओपीडी ही बंद करा दी गई। सुबह कुछ पर्चे तो बने लेकिन इसके बाद धरनारत रेजिडेंट डॉक्टरों ने पर्चा काउंटर ही बंद करा दिया। जौनपुर के मुंगराबादशाहपुर निवासी रामचंदर को सांस लेने में तकलीफ हुई तो बेटे और पत्नी उन्हें लेकर एसआरएन अस्पताल पहुंच गए। यहां सुपरस्पेशियलिटी ब्लॉक में पहुंचे तो यहां पर्चा नहीं बनाया गया। पत्नी हाथ जोड़कर वहां के स्टाफ से अनुरोध करती रही कि पर्चा बना दें। करीब 2 घंटे बाद ट्रामा सेंटर से जाने के बाद उनका पर्चा बन सका।

प्रयागराज में इंटर कालेज के लेक्चरर गंगा में कूदे...तलाश जारी

सुबह हाथ की नस काट ली थी, पत्नी ने प्रधानाचार्य पर उत्पीड़न के आरोप लगाए

प्रयागराज। प्रयागराज में इंटर कॉलेज के एक लेक्चरर ने पहले अपने हाथ की नस काट ली। इसके बाद गंगा में कूद गए। पत्नी के मुताबिक, कॉलेज के प्रधानाचार्य उनका उत्पीड़न कर रहे थे। इससे पहले परेशान होकर उन्होंने शुक्रवार सुबह अपने हाथ की नस भी काट ली थी। अब दारागंज पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

40 साल के करुणा शंकर शुक्ला गांधी इंटर कॉलेज में अर्थशास्त्र के लेक्चरर हैं। शुक्रवार शाम को पत्नी के साथ ई–रिक्शा पर जा रहे थे। उन्होंने ब्रिज पर ई रिक्शा रुकवा लिया। इसके बाद एक झटके से उतरे और गंगा में कूद गए। पुल पर राहगीरों की भीड़ जुटने से हंगामा मच गया। चीख पुकार मचने पर गोताखोर कूद पड़े। देर रात तक उनको ढूंढा नहीं जा सका।

हंगामा मचा तो पूछताछ शुरू हुई

पत्नी ने बताया कि सुबह उन्होंने तनाव के चलते अपने हाथ की नस काट ली थी। इस पर उन्हें झूंसी के एक निजी अस्पताल में प्राथमिक उपचार कराया गया था। पहले से उनका ब्रेन हैमरेज का इलाज एसआरएन अस्पताल में चल रहा था। इसलिए पत्नी ई–रिक्शा से उन्हें लेकर एसआरएन अस्पताल आ रही थी।

बीच रास्ते में लेक्चरर ने कहा कि चक्कर आ रहा है। ई–रिक्शा रुकते ही वह नीचे उतरे और नदी में छलांग लगा दी। उनके इस कदम के पीछे पत्नी ने कॉलेज के प्रधानाचार्य पर उत्पीड़न का आरोप लगाया है। दारागंज पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

सीएम से नहीं मिल सके, अखिलेश बुलाकर मिले

प्रयागराज के बहरिया गोलीकांड का मामला गरमाया, मृतक के घरवाले बोले-मुख्य आरोपी को क्यों छोड़ा

मऊआइमा। प्रयागराज के बहरिया इलाके में 50 करोड़ की मार्केट कब्जे को लेकर हुए गोलीकांड का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। हमलावरों की गोली लगने से मरे मुलायम सिंह यादव के परिवार वाले यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ से गुहार लगाते रहे। परिवार के लोग सीएम से मिलने लखनऊ भी गए लेकिन मुख्यमंत्री से उनकी मुलाकात नहीं हो सकी। अब मुलायम सिंह यादव के घरवाले पूर्व सीएम अखिलेश यादव से मिले हैं। मुलायम के पिता रामा यादव, मां श्याम कली और भाई आलोक ने अखिलेश यादव से मुलाकात कर पूरी कहानी बताई। मृतक के परिवार ने अखिलेश यादव को शिकायती पत्र भी दिया है। आरोप लगाया कि मुख्य आरोपी जिसे नामजद किया गया था उस अभिषेक यादव उर्फ हिन्दू

को पुलिस ने थाने से छोड़ दिया। परिवार ने गुहार लगाई है कि उन्हें इंसाफ दिलाया जाए। मुलायम की हत्या के आरोपी अभिषेक को गिरफ्तार किया जाए। परिवार वालों ने बताया कि अखिलेश यादव ने उन्हें आश्वासन दिया है। साथ ही परिवार की मदद को कहा है।

हाईकोर्ट भी पहुंच गया है यह मामला

बहरिया इलाके में मार्केट पर कब्जा करने को लेकर फायरिंग और हत्या का मामला इलाहाबाद हाईकोर्ट पहुंच गया है। पांच दिन बाद दर्ज कराई की गई क्रास एफआईआर को दूसरे पक्ष ने हाईकोर्ट में चुनौती दी है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने इस मामले में पुलिस विभाग के साथ ही वादी मुकदमा को नोटिस जारी कर जवाब दाखिल करने को कहा है। साथ ही गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। मामले की अगली सुनवाई 4 नवंबर को होगी।

बहरिया बाजार में धमौर मोड़ के पास 30 जुलाई को मऊआइमा से जिला पंचायत सदस्य अभिषेक यादव और गमरहटा निवासी पूर्व जिला पंचायत सदस्य शशीकांत यादव और समर्थकों में बवाल हो गया था। झगड़े के बीच फायरिंग में शशिकांत यादव पक्ष के सारीपट्टी निवासी मुलायम यादव की मौत हो गई थी। जबकि गोली लगने से अभईपुर निवासी बीडीसी सदस्य जितेंद्र यादव घायल हो गए थे।

क्या दर्ज हुआ था मकदमा

मामले में मृतक मुलायम यादव के पिता रामा यादव की तहरीर पर अभिषेक यादव उसके भाई वीरसेन और चाचा गजराज यादव सहित 10 लोगों के खिलाफ हत्या समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमा हुआ था। पुलिस ने 2 अगस्त को नामजद गजराज यादव, राहुल यादव और चार लोगों को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया था। 3 अगस्त को पुलिस ने मोहम्मदपुर सरायअली गांव निवासी अजय कुमार मौर्या की तहरीर पर शशिकांत यादव उसके भाई सुरेंद्र यादव समेत 9 लोगों के खिलाफ जान से मारने की नीयत से फायरिंग करने सहित कई धाराओं में क्रास एफआईआर कर लिया। इस मामले में पुलिस ने शशिकांत के भाई सुरेंद को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया।

क्रास एफआईआर में नामजद मैलहा निवासी पंकज मिश्रा ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर क्रास रिपोर्ट को निष्प्रभावी करने की याचना की। पंकज मिश्रा के अधिवक्ता अजय कुमार शुक्ला को सुनने के बाद कोर्ट ने प्रतिवादी को नोटिस जारी कर जवाब दाखिल करने को कहा है।

संस्कृत अध्यात्म, विज्ञान और कंप्यूटर की संवाहक भाषा..

प्रयागराज। प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज के संस्कृत विभाग द्वारा संस्कृत दिवस के उपलक्ष्य में दिनांक 17 8.2024 शनिवार को विश्वविद्यालय अकादमिक परिसर में वैश्विक परिपेक्ष में संस्कृत की उपादेयता विषयक विमर्श संगोष्ठी का आयोजन किया गया। मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण दीप प्रज्ज्वलन एवं वैदिक मंगलाचरण के बाद इस संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए माननीय कुलपति डॉ अखिलेश कुमार सिंह ने कहा कि संस्कृत सभी भाषाओं की जननी है और यह विज्ञान एवं कंप्यूटर के लिए सबसे उपयुक्त भाषा के रूप में जानी जाती है।इसके वर्ण विज्ञान की वैज्ञानिकता से सभी को परिचित होना चाहिए। यह हमारी संस्कृति की भाषा रही है। संस्कृति ज्ञान को जानने के उद्देश्य से संस्कृत विभाग में दो नए पाठ्यक्रम कर्मकांड में डिप्लोमा और ज्योतिष डिप्लोमा भी शुरू किए गए हैं जिससे विद्यार्थियों को जुड़कर लाभ लेना चाहिए। संस्कृत भाषा के द्वारा अनुशासित होकर युवाओं को देश के निर्माण में अपना योगदान देना चाहिए। सारस्वत वक्तव्य देते हुए कुलानुशासक प्रो. राजकुमार गुप्त ने कहा कि हमें अपने देश और संस्कृति की सुरक्षा हेतु सदैव सजक रहना चाहिए और इस हेतु संस्कृत भाषा राह में एक मील का पत्थर है। बिना संस्कृत को जाने हम अपने देश के इतिहास संस्कृति और सभ्यता का पूर्ण ज्ञान नहीं कर सकते हैं। हमारा देश कितना प्राचीन है, इसकी जड़े कितनी गहरी हैं यह बात संस्कृत से व्यक्त होती है। जिसकी संस्कृति जितनी अधिक प्राचीन होती है वह देश उतना ही अधिक उन्नति करता है और अपने अतीत से शिक्षा लेकर भविष्य की संभावनाओं को उजागर करता है। सम्पूर्ण वैश्विक परिदृश्य में संस्कृत के द्वारा शांति और सद्भावना स्थापित कर 2047 तक भारत को समुन्नत बनाया जा सकता है। मुख्य वक्तव्य देते हुए अधिष्ठाता, विद्यार्थी कल्याण प्रो.आशुतोष

कुमार सिंह ने कहा कि संस्कृत भाषा का संबंध न केवल भारतीय भाषाओं से है अपितु यह वैश्विक भाषाओं से संबंधित है। यह अनूठा संबंध अवेस्ता, जर्मनी, फ्रेंच, लैटिन, ग्रीक और अन्य कई सारी विदेशी जो शास्त्रीय भाषाएं हैं उनके साथ अतीत काल से जुड़ा रहा है। संस्कृत भाषा का ज्ञान लेकर हम वैश्विक पटल पर भाषाई एकता को स्थापित कर सकते हैं। संस्कृत व्याकरण आदि से परिपुष्ट व्यक्ति भाषा का शासक होता है। संस्कृत और हिन्दी के मध्य मां बेटी का स्वरूप भारत में प्रतिष्ठित है। अधिष्ठाता,कला संकाय प्रो. विवेक कुमार सिंह ने कहा कि क्या हमें अपने देश से प्रेम नहीं है और यदि है तो हमें इसकी संस्कृति और सभ्यता को अवश्य जानना चाहिए और इसको जानने के लिए हमें संस्कृत को पढ़ना चाहिए । रामायण, महाभारत, वेद, उपनिषद् ,आरण्यक, ब्राह्मण आदि संस्कृत के जितने भी ग्रंथ है वो सब भारतीय संस्कृति के प्रतीक हैं। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. प्रवीण कुमार द्विवेदी ने स्वागत उद्बोधन के दौरान कहा कि विश्व में अमेरिका जर्मनी, फ्रांस आदि देशों में वैज्ञानिक भाषा के रूप में संस्कृत का अध्ययन कराया जाता है। आज भी विश्व में संस्कृत की लाखों पांडुलिपियां विद्यमान हैं जिसमें क्या लिखा है यह संस्कृत अध्येता ही बता सकते है। अतः हमें इसको सीखकर भारतीय ज्ञान परंपरा और भारतीय मूल्यों का अवलोकन करते हुए अपने सनातन संस्कृति को निरंतर गतिमान रखना चाहिए। संगोष्ठी का संचालन संस्कृत विभाग के अतिथि प्रवक्ता डॉ. पीयूष मिश्र ने किया। अतिथि प्रवक्ता डॉ.प्रिया झा सभी के आगंतुकों के प्रति आभार ज्ञापन किया। डॉ.प्रदीप कुमार त्रिपाठी, डॉ. प्रशान्त सिंह, डॉ.श्वेता श्रीवास्तव, डॉ. मनोज यादव, डॉ.साक्षी कपूर, डॉ. सलमान जाफरी, डॉ. माहेरूख खान, डॉ. नारायण दत्त त्रिपाठी, डॉ.मनीष यादव, डॉ.आनन्द त्रिपाठी, नितिन, शिखा, अनन्त ,संदीप शिवम ,आदित्य, अंजलि, हंसमुख,पूनम, देवेन्द्र, प्रभात पांडेय आदि विद्यार्थीगण उपस्थित रहे। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

कवियों ने देश प्रेम के दीवानों का स्मरण किया

कवि सम्मेलन संपन्न

ग्रेटर नोएडा। अपार्टमेंट ओनर्स एसोसिएशन प्रिस्टीन एवेन्यू के सौजन्य से अखिल भारतीय कवि सम्मेलन देश की ख्यातिलब्धा कवयित्री डॉ० रमासिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। इस सम्मेलन के मुख्य अतिथि पुलिस विभाग के अधिकारी एसीपी आर०के०गुप्ता एवं विशिष्ट अतिथि मासूम गाजियाबादी , डॉ० चेतन आनंद रहे। अतिथियों द्वारा माँ वागेश्वरी के पूजनोपरांत गीतकार डॉ० राकेश सक्सेना की सरस्वती वंदना से कवि सम्मेलन का शुभारंभ हुआ।

बरेली से पथारे डॉ० महेश कुमार मधुकर, कमलकांत तिवारी,हास्य व्यंग्य के कवि देवेन्द्र दीक्षित शूल, डॉ० सुनीता सक्सेना,नीरजा चतुर्वेदी,डॉ० चेतन आनंद, डॉ०राकेश सक्सेना,राजेन्द्र सिंह, बी०डी० शर्मा,कमल चौधरी, भगवती पंत,प्रदीप माथुर, मासूम गाजियाबादी,डॉ० रमासिंह आदि कवि– कवयित्रियों ने राष्ट्रीय चेतना की प्रतिनिधि रचनाओं से श्रोताओं को भावविभोर किया। एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ०सुरेश कुमार सिंह ने कार्यकारिणी के साथ सभी कवियों व अतिथियों का स्वागत करते हुए स्नेह भेंट प्रदान की।

इस अवसर पर पुलिस विभाग के अधिकारी एसीपी आर०के०गुप्ता ने मुख्य अतिथि के आसन से कहा कि स्वतंत्रता आन्दोलन में कवि–साहित्यकारों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इनकी रचनाओं से प्रोत्साहित व प्रेरित होकर अनगिनत लोग अपना घर–परिवार छोड़कर स्वतंत्रता आन्दोलन में निकल पड़ते थे। इस आयोजन के माध्यम से देश प्रेम के दीवानों को याद किया गया ,जिनका हृदय देश को स्वतंत्र कराने के लिए मचलता था। उन्होंने आह्वान किया कि एसोसिएशन द्वारा इस प्रकार के राष्ट्रीय कार्यक्रम आयोजित कराते रहना चाहिए। अध्यक्षीय वक्तव्य में ख्यातिलब्ध कवयित्री डॉ० रमासिंह ने कहा कि प्रिस्टीनवासियों का काव्य के प्रति लगाव सराहनीय है। कविता ही है जो जो राष्ट्रीयता व संस्कृति से मनुष्य को जोड़े रखती है।सोसाइटी के अध्यक्ष डॉ० एस०के० सिंह ने आगन्तुकों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की तथा कवि सम्मेलन का सफल संचालन पूर्व प्राचार्या डॉ० सुनीता सक्सेना ने किया। इस आयोजन में परिचय भटनागर,आर०के०श्रीवास्तव,ईश्वर सिंह, राजीव शर्मा, शशि ग्रोवर, लता सिंह,इति माथुर,पी0के0शर्मा, अंजुम , शरद गोयल,निश्छल,मिलन सूरी, शरद गोयल, पंकज मिश्रा,आलोक कुमार, पुष्कर अनुपम,ललित उपाध्याय,सुन्दरलाल आदि गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

शहर समता विचार मंच, शिलोंग इकाई की काव्यगोष्ठी सम्पन्न

शिलांग। शहर समता विचार मंच शिलोंग इकाई, मेघालय की महिला काव्य गोष्ठी डॉ अनिता पंडा की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई।इस काव्यगोष्ठी की मुख्य अतिथि शशिबिंदु नारायण मिश्र, गोरखपुर से और अति विशिष्ठ अतिथि नवीन कुमार राणा, गुरुग्राम से जुड़े।

यह काव्य गोष्ठी 15 अगस्त, शाम 7 बजे से रात्रि 8.30 बजे तक चली। जिसका शुभारंभ इकाई की अध्यक्षता कर रही अनिता पंडा की गणेश वंदना और मल्लिका डे की सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति के साथ की गई। काव्यगोष्ठी का कुशल संचालन नीता शर्मा ने किया। इस काव्य गोष्ठी में डॉ अनिता पंडा, गीता लिंबू, दया शर्मा, नीता शर्मा, मल्लिका दे विष्णु, सुनीता भट्ट ने अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दिये। अतिथियों ने भी अपनी सुंदर रचनाओं द्वारा सबका मन मोह लिया। मुख्यातिथि शशिबिंदु नारायण ने सभी कवयित्रियों की रचनाओं की समीक्षा कर सबको प्रोत्साहित किया और अपनी कविता का भी पाठ किया। अंत में मल्लिका दे विष्णु ने धन्यवाद ज्ञापन देकर काव्यगोष्ठी का समापन किया।

सावन : भादों में कजरी का महत्त्व : डॉ वीरेंद्र तिवारी

प्रयागराज। नैसर्गिक सुषमा से सम्पन्न भारतीय संस्कृति वैदिक संस्कृति और लौकिक संस्कृति दोनों के समवेत प्रभाव का प्रतिफल है । हमारी संस्कृति सत्य , चेतना और आनन्द को साकार करती हुई भारतीय जनजीवन में इस तरह रची–बसी हुई है कि जीवन के प्रत्येक पल , दिन , पक्ष , मास , ऋतु और संवत्सर को हम उत्सव के रूप में मनाते रहते हैं । इस उत्सव में बड़े–छोटे , धनी–निर्धन , शिक्षित–अशिक्षित आदि विभेदक तत्त्वों की कोई जगह नहीं है । जो जैसा है वैसा ही अपने को धन्य समझता है और अपने सीमित संसाधनों में अपने आह्लाद को स्वाभाविक रूप में प्रकट करता है । जन्म से लेकर मृत्युपर्यन्त जीवन के विभिन्न अवसरों पर अपने अन्तस् के भावों को अपने विचारों , अपने वचनों तथा अपने कर्मों द्वारा व्यक्तिगत और सामाजिक स्तरों पर प्रकट करता है । वर्ष में छहों ऋतुओं में आने वाले विविध महीनों को ऋतु के अनुरूप विविध रूपों में अभिव्यक्त करता है । वसन्त ऋतु का वासन्ती गीतों की विधा से स्वागत करता है तो ग्रीष्म ऋतु का जोशपूर्ण आल्हा आदि गीतों के माध्यम से । वर्षा ऋतु में जीवन को आनन्दमय बनाने का अलग विधान है । वर्षा ऋतु के दो महीने सावन और भादों यद्यपि जलाप्लावित होने के कारण लोगों को अपनी सीमा में रहने के लिए विवश कर देते हैं , फिर भी नर–नारी , पशु–पक्षी , कीट–पतिंगे सभी प्राणी जीवनदायिनी वर्षा ऋतु का आनन्द लेने से नहीं चूकते हैं । सूखी नदियाँ सनीरा हो जाती हैं । ताल–तलैया , पोखर–बावड़ी सभी पानी से लबालब भर जाते हैं । धरती शस्य श्यामला होकर होकर अपनी हरियाली से सबको अपनी ओर आकर्षित करती है , तो आसमान भी मेघाच्छन्न होकर कभी जल की बूँदों से तो कभी जलधाराओं से धरती को छूने के लिए हर घड़ी तत्पर रहता है । किसान कृषिकार्य के लिए खेतों में जाकर सबके लिए अन्न उपजाने की जुगत में लगते हैं । धान की रोपाई करने वाली बनिहारिनियों के मधुर गीतों की तान सुनायी पड़ने लगती है । मेढक मन्त्रोच्चार करने लगते हैं , तो झींगुर मधुर झनकार करने लगते हैं । पपीहे पिउ–पिउ की रट लगाते हुए प्रियतम को प्रणयगीत सुनाने लगते हैं, तो मोर अपने प्रियतम को रिझाने के लिए अपनी पाँखें फैलाकर नृत्य करने लगते हैं । इस प्रकार पूरे वातावरण में चारों ओर एक अपूर्व आनन्द की बरसात होने लगती है । मानो आनन्द का झरना फूट पड़ता है।

माता जैसी वर्षा ऋतु में माता के घर में बालाध्ं–बहुध्ं तो उत्सव मनाध्ंगी ही , ससुराल में गयी लड़कियाँ भी अपने मैके आने के लिए लालायित रहती हैं । सावन में कजरी और झूला झूलने की परम्परा आदिकाल से ही चली आ रही है । शुद्ध हृदय और निश्छल कोमल मन वाले बच्चे –बच्चियाँ भी लोक परम्पराओं का निर्वाह करते हुए जहाँ–तहाँ दीख जाते हैं । पगडंडियों या सड़कों के किनारे बने हुए गाँव–घर के बच्चे जब साइकिल के पुराने टायरों से बनी डोर बनाकर पेड़ों की डालों से लटकाकर उस पर बैठकर झूला झूलते हुए दिखाई देते हैं, तो सावन की झूला झूलने की परम्परा की याद आ जाती है । फिर यादों के झरोखे से झूला झूलती सखियाँ स्मृतिपटल पर उभरती दीख पड़ती हैं । गाँव–गाँव के घर–घर में गायी जाने वाली सखियों की कजरी की धुन कर्णकुहरों में गूँजने लगती है । माटी के घरों में धरन–बड़ेर से लटकते हुए झूले आँखों के सामने प्रकट हो जाते हैं , जिन पर बैठी हुई सहेलियों का वह गीत सुनायी पड़ता है दृ

कइसे खेले जइबू सावन में कजरिया
बदरिया घेरि आई ननदी ।

वास्तव में कजरी का सीधा सम्बन्ध सावन की बदरी (बादल) से होता है । कजरी लोकगायन की अर्धशास्त्रीय संगीत– विधा है , जो पूर्वी उत्तर प्रदेश से लेकर बिहार के कुछ अंचलों तक वर्षा ऋतु में गायी जाती है । देश के अन्य भागों में भी वर्षा ऋतु में अपने–अपने ढंग से लोकगीत गाये जाते हैं । बनारस घराने और मिर्जापुर की कजरी बहुत प्रसिद्ध है । कजरी गीत के साथ–साथ कजरी नृत्य का भी प्रचलन है । कजरी त्योहार भी मनाया जाता है । भादों के कृष्ण पक्ष की तृतीया तिथि कजरी तीज के नाम से प्रसिद्ध है । इस दिन शिववल्लभा पार्वती जी की पूजा की जाती है । धर्म–प्राण देश भारत में लोकपरम्पराओं में वैदिक परम्परा की तरह ही व्यावहारिकता और आध्यात्मिकता दोनों का सम्यक् समावेश है । व्यक्तिगत जीवन से लेकर सामाजिक जीवन के सभी तत्त्वों को आधार बनाकर लोकगीत कजरी सर्वांगसुन्दरी विधा दृ सी सुशोभित होती है । विशेष रूप से कजरी में ' राम ' और ' हरि ' का प्रयोग बहुलता में होता है । पारिवारिक सम्बन्ध के माधुर्य को दर्शाते हुए अत्यन्त सरल सुबोध भाषा में गायी जाने वाली कजरी इतनी लोकप्रिय है कि इसे स्त्रियों द्वारा अपने पति को सम्बोधित करते हुए तरह–तरह की कजरी गायी जाती है । कजरी में कभी संयोग शृंगार की तो कभी वियोग शृंगार की प्रधानता रहती है । यहाँ एक बनारसी कजरी द्रष्टव्य है –

हमके पनिया के जहाज पर बइठा द पिया
नमो घाट घुमा द पिया ना ।
घूम लेहनी घाट अस्सी ,
पी के पहलवान लस्सी ।
हमके रोपवे पे आज तू चढ़ा द पिया ।

कभी झूला पर झूलते , तो कभी नृत्य करते हुए गायी जाने वाली कजरी सबका मन मोह लेती है । ऐसा नहीं है कि कजरी में केवल प्रेम के विविध रूपों का ही वर्णन होता है , प्रत्युत सामाजिक सरोकार से जुड़े हुए विषयों को भी पर्याप्त महत्त्व दिया जाता है । मैंने बचपन में साठ के दशक में , जब देश में भयंकर सूखा पड़ा था , झूला झूलती हुई एक नयी नवेली दुल्हन और उसकी ननद को गाते हुए सुना था :

हरि हरि भारत देश में सूखा पड़लन भारी ए हरी ।

लोकगीतों की भाँति कजरी की एक बहुत बड़ी विशेषता यह है कि इसमें गाते समय मात्राओं को संतुलित करने के लिए सुविधानुसार ' लघु ' को ' गुरु ' बना लिया जाता है , जिससे सुर , ताल , गति और लय में सामंजस्य स्थापित हो जाता है । सावन दृ भादों की वर्षा की फुहारों का आनन्द लेने के लिए सजनियों की तरह साजन भी कजरी गाने से नहीं चूकते हैं।

भयहरण नाथ धाम में विशाल मानसिक स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन

प्रतापगढ़। राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत स्वास्थ्य विभाग द्वारा दिनांक 17 अगस्त को भयहरण नाथ धाम में विशाल मानसिक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया । प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कटरा गुलाब सिंह के संयोजन में हुए इस शिविर का उद्घाटन मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ ए एन प्रसाद द्वारा फीता काट कर किया गया।

धाम के महासचिव समाज शेखर ने बताया की सीएमओ महोदय द्वारा बताया गया की मानसिक स्वास्थ्य आज सभी की आवशयकता हैं आज का शिविर लोगों में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता लाने हेतु किया गया है। जिला कार्यक्रम प्रबन्धक राज शेखर ने सभी को जागरूक करते हुए सरकार के चिकित्सा कार्यक्रमो का लाभ लेने का आवहंन किया।

विशेषज्ञ डॉ अभिषेक व डॉ ज्ञानेंद्र कुमार मौर्य ने बताया कि नींद ना आना, तनाव, उलझन ,घबराहट, निराशा आत्महत्या के विचार आना, शक करना, भूत प्रेत देवी देवता आदि की छाया का भ्रम होना मानसिक रोगों के लक्षण हैं मानसिक बीमारी के लक्षण प्रतीत होते ही मनोचिकित्सक से संपर्क करना चाहिए ।

नगर पंचायत अध्यक्ष अशोक कुमार मुन्ना यादव ने धाम में पधार कर आयोजित शिविर की सराहना करते हुए सभी का उत्साह बढ़ाया। साइकेट्रिक सोशल वर्कर मुकेश कुमार द्वारा बताया गया कि किसी प्रकार की मानसिक समस्या होने पर जिला अस्पताल के जीरियाट्रिक यूनिट में ओ पी डी मे संपर्क 8 से 2 बजे तक कर सकते है साथ ही टेली मानस के टोल फ्री नंबर 9984969605ध्18008914416ध्14416 पर भी मानसिक समस्याओं के लिए संपर्क किया जा सकता है।सभी को मेन्टल हेल्थ हेल्पलाइन एवं जागरूकता सम्बंधित प्रचार (प्म्ब)दी गई जिससे समुदाय जागरूकता लाई जा सके जिन स्थानों पर झाड – फूक होती हैं उन स्थानों की सुचना 9984969605 पर देकर वहाँ भी दुवा से दवा तक कार्यक्रम के अंतर्गत शिविर लगया जा सकता हैं शिविर मे मानसिक स्वास्थ्य सम्बंधित स्कीनिंग ओ पी डी परामर्श जागरूकता एवं परामर्श सेवाएं दी गई स इस अवसर पर धाम के अध्यक्ष राज कुमार शुक्ल, कार्यवाहक अध्यक्ष लाल जी सिंह, विनोद सिंह, कार्यालय प्रभारी नीरज मिश्र, स्वच्छता नायक राज कुमार सहित आशा बहन एवं समस्त कर्मचारी गण व कार्यकर्ताओ ने सहयोग प्रदान किया।

फ्रिडा काहलो अंतर्राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी ने छुए सफलता के उच्च सोपान

प्रयागराज। ज्योतिकृति कला संस्थान लखनऊ की फ्रिडा काहलों आठवीं अंतर्राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी मैक्सिकन महान कलाकार फ्रिडा काहलो को सच्ची श्रद्धांजलि देती है।12 देशों के 30 कलाकारों के भावपूर्ण चित्र इसमें शामिल हैं प्रसिद्ध चित्रकारों में अलेक्जेंडर मोंटिला (वेनेजुएला), अनुपमा त्रिगुणायत (भारत), अजनीता मोहम्मद यूसुफ (सिंगापुर), एड्रियाना वोलेनजुवेला

सोलसीडो (मेक्सिको), ब्लैंका डोवगन (स्लोवेनिया), बोध राज बाल्डोत्रा (भारत), डोरा क्रेस्पो पेरेज (स्पेन), ज्योति सैनी सिद्दीकी (भारत), जुआन मैनुअल एविना (मेक्सिको), जयदीप घोष (भारत) कीर्ति अवस्थी (भारत), मेहरंगिज तलइजादेहा (ईरान), मायरा मोंटेनेग्रो (मेक्सिको), एम. एस. विनोद (भारत), मोनिशा डे (भारत), मोनिका फेरेरा (इटली), पूर्वा श्रीवास्तव (भारत), परिमा हेदरी (ईरान), रवि प्रकाश सिंह (भारत), रेना हॉटिंगर (यूएसए), रवीन्द्र कुशवाहा (भारत), रीता कश्यप (भारत), रोजमेरी क्रिस्टोफर (भारत), रुबी पेट्रीसिया फेरेरा (मेक्सिको), शांतनु दास (भारत), श्रुति विज (भारत), सुम्बुल परवीन (भारत), ट्रिना बैचलर (न्यूजीलैंड), उमरान ओजबलसी आरिया (तुर्की), वैदा प्रूसिन्स्कीने (लिथुआनिया) आदि के शानदार चित्र प्रदर्शित हैं जिसकी सराहना विश्व के हजारों दर्शकों ने की है।

अंतर्राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी क्यूरेटर ज्योति सैनी सिद्दीकी के तीन चित्र दर्शकों को बहुत पसन्द आ रहे हैं उन्होंने महान कलाकार फ्रिडा काहलो के जीवन दर्शन को कैनवस पर उकेरा है।प्रयागराज के प्रसिद्ध कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा की पेंटिंग फूलों की राजकुमारी मानव जीवन में फूलों की महत्ता को प्रदर्शित करती एक अनमोल कृति है। इस प्रदर्शनी ने विश्व में सफलता के परचम लहरायें हैं।

योग प्रशिक्षिकाओं को किया गया पुरस्कृत

प्रयागराज। महिला पतंजलि योग समिति प्रयागराज द्वारा सामिया माई पार्क नया कटरा में 78वां गणतंत्र दिवस मनाया गया

जिसमें महिला पतंजलि योग समिति से जिले की सभी प्रभारी एवं योग शिक्षिकाएं उपस्थित रही। अच्छा कार्य करने वाली योग प्रशिक्षिकाओं को जिला प्रभारी की तरफ से पुरस्कृत की भी किया गयास कार्यक्रम में मुख्य अतिथि इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर रंजना वाजपेई सह राज्य प्रभारी सुनीता दुबे, जिला प्रभारी शुभम सिंह, एवं सदर प्रभारी सुनीता तिवारी तथा हजारों महिलाओं ने इस राष्ट्रीय पर्व को योग के माध्यम से मनाया तथा सूर्य नमस्कार के साथ तिरंगे को ध्वज प्रणाम किया।

यूपी उपचुनावः निषाद पार्टी ने ठोका 2 सीटो पर दावा

लखनऊ,(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में होने वाले उपचुनाव में निषाद पार्टी दो सीटों पर अपने प्रत्याशी अपने चुनाव चिन्ह के साथ उतारेगी।ये दो विधानसभा सीटें हैं क्रमशः कटेहारी और मंझवा।इसकी घोषणा निर्बल इंडियन शोषित हमारा आमदल यानि निषाद पार्टी ने निषाद पार्टी के 9वें स्थापना दिवस पर की है। निषाद पार्टी के स्थापना दिवस के मौके पर लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री संजय निषाद ने कहा कि पार्टी कटहरी अंबेडकर नगर जिला की सीट और महंझवा मिर्जापुर की सीट पर अपने चुनाव चिन्ह के साथ उतरी थी और अब आने वाले चुनाव में भी दोनों सीटों पर अपने ही चुनाव चिन्ह पर उम्मीदवार उतारेगी।बीजेपी के प्रवक्ता मनीष शुक्ला के मुताबिक एनडीए की तरफ से अभी उम्मीदवारों को लेकर कोई निर्णय नहीं हुआ है। न ही कोई सार्वजनिक घोषणा की गई है। इन सीटों पर कौन लड़ेगा, अभी तय नहीं है।

यूपी सरकार ने निष्पक्षता से काम नहीं किया

सहायक अध्यापक भर्ती पर अदालत के आदेश के बाद बोलीं मायावती

लखनऊ,(एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष मायावती ने 69,000 सहायक अध्यापकों की भर्ती के लिए नयी चयन सूची तैयार करने के इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश का शनिवार को स्वागत किया। मायावती ने कहा कि उच्च न्यायालय के फैसले से साबित होता है कि राज्य सरकार ने अपना काम निष्पक्षता से नहीं किया। उन्होंने एक्स पर लिखा, उत्तर प्रदेश में 2019 में चयनित 69,000 शिक्षक अभ्यार्थियों की चयन सूची को रद्द करके तीन महीने के भीतर नयी सूची बनाने के उच्च न्यायालय के फैसले से साबित होता है कि सरकार ने अपना काम निष्पक्षता और ईमानदारी से नहीं किया। इस मामले में पीड़ितों, खासकर आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों को न्याय मिलना सुनिश्चित हो। बसपा प्रमुख ने कहा, वैसे भी सरकारी पदों के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षाओं में प्रश्नपत्र लीक के कारण उत्तर प्रदेश सरकार की काफी आलोचना हो रही है। अब सहायक शिक्षकों की सही बहाली नहीं होने से शिक्षा व्यवस्था पर इसका बुरा असर पड़ना स्वाभाविक है। सरकार इस ओर जरूर ध्यान दे।

सम्पादकीय.....

आजादी भी और विभाजन भी

एक तरफ आजादी मिलने की खुशी हुई तो दूसरी तरफ विभाजन की पीड़ा। विभाजन की पीड़ा को साम्प्रदायिक दंगों ने तो विश्व के सामने मानव के अमानवीय चेहरे को बेपर्दा कर दिया। 14 और 15 अगस्त भारत विभाजन और आजादी के लिए इतिहास के पन्नों में हमेशा याद किए जाएंगे। प्रो. बिपिन चन्द्र 'भारत का स्वतंत्रता संघर्ष' पुस्तक में लिखते हैं '15 अगस्त 1947 के अंतर्विरोध आज तक इतिहासकारों को हैरान कर रहे हैं। सीमा के दोनों ओर के लोगों को भी उनके नतीजे मुक्ति नहीं मिल पाई है। आजादी एक लंबे, गौरवपूर्ण संघर्ष के बाद हासिल की गई थी और इससे करोड़ों लोगों का सपना पूरा हुआ था। लेकिन उसके साथ ही एक खूनी त्रासद विभाजन ने हमारे उदीयमान स्वतंत्र राष्ट्र के ताने–बाने को छिन्न–भिन्न कर दिया। इस संदर्भ में दो महत्त्वपूर्ण सवाल उठते हैं। अँग्रेजों ने अंततरू भारत क्यों छोड़ा? विभाजन की योजना कांग्रेस ने क्यों स्वीकार की? इन सवालों का साम्राज्यवादी जवाब बहुत सीधा–सादा है। ब्रिटेन चाहता था कि भारतीय अपना शासन खुद चलाएं और आजादी उसकी इसी इच्छा का नतीजा थी। विभाजन सदियों पुराने हिन्दू–मुस्लिम वैमनस्य का दुर्भाग्यपूर्ण परिणाम था, इस बात का सबूत यह है कि ये दोनों समुदाय आपस में तय नहीं कर पाए कि सत्ता किसे सौंपी जाए और कैसे? साम्यवादी मानते हैं कि आजादी 1946–47 के उन जन–संघर्षों द्वारा हासिल की गई, जिनमें बहुत–से कम्युनिस्टों ने योगदान किया और अनेक मौकों पर जिनका नेतृत्व भी किया। लेकिन कांग्रेस के बुर्जुआ नेता इस क्रांतिकारी उभार से डर गए और उन्होंने साम्राज्यवादियों से समझौता कर सत्ता अपने हाथ में ले ली। राष्ट्र को इसकी कीमत विभाजन के रूप में चुकानी पड़ी। परंपरागत धार्मिक कलह द्वारा व्यर्थ कर दिए गए सद्भाव या सत्ता के लालच द्वारा कुंठित कर दी गई क्रांतिकारिता के ये सिद्धांत आकर्षक भले ही लगें, लेकिन यथार्थ को प्रकट नहीं करते, बल्कि उसे धूमिल ही करते हैं। सच तो यह है कि आजादी–विभाजन का यह द्वैध कांग्रेस के नेतृत्व में चले साम्राज्यवाद विरोधी आंदोलन की सफलता और विफलता का ही द्वैध है। कांग्रेस के जिम्मे दो काम थे–पहला, विभिन्न वर्गों, समुदायों, समूहों और अंचलों को एक राष्ट्र के ढांचे में ले आना तथा दूसरा, उस उदीयमान राष्ट्र को ब्रिटिश शासकों से मुक्त कराना। राष्ट्रवादी चेतना का प्रसार कर कांग्रेस इस दूसरे काम में तो सफल रही, लेकिन वह राष्ट्र–निर्माण का काम पूरा नहीं कर सकी–खासकर मुसलमानों को राष्ट्र के साथ जोड़ नहीं सकी। राष्ट्रीय आंदोलन का यही अंतर्विरोध–यानी सफलता भी, विफलता भी–इस दूसरे अंतर्विरोध ा में प्रकट होता है–यानी आजादी भी और विभाजन भी।३ ब्रिटिश सरकार ने प्रस्थान की तिथि आगे लाकर 15 अगस्त निश्चित की। माउंटबेटन के अनुसार 'स्थिति अत्यंत विस्फोटक थी,' अतरू 15 अगस्त की तिथि निश्चित कर ब्रिटेन ने ज्यादा जल्दी नहीं की, बल्कि उसको तो उससे कहीं पहले भारत छोड़ देना चाहिए था। अन्य स्थानों पर सांप्रदायिक दंगे फूटने से कानून और व्यवस्था की स्थिति बिगड़ चुकी थी। यह आशंका थी कि कहीं ऐसी शोचनीय स्थिति न पैदा हो जाए जिसमें नियंत्रण का उत्तरदायित्व तो हो पर उसे निभाने की क्षमता न रहे। प्रशासनिक सेवा और सैनिक दलों में बहुसंख्या में अधिकारी सांप्रदायिक गुटों में बंट चुके थे। इतिहास की विडंबना थी कि सांप्रदायिकता जिसे ब्रिटिश शासकों ने अपनी स्थिति को दृढ़ बनाने के लिए अपनाया था, अब उनके साम्राज्य के अंत की घड़ी को ओर समीप ले आई। परिणाम यह हुआ कि कांग्रेस रियायतें देती गई लेकिन सांप्रदायिक शक्तियों की नींव कमजोर पडने की बजाय और दृढ़ होती गई। मुसलिम लीग की सफलता से प्रभावित होकर और ज्यादा मुसलमान उनकी छत्रछाया में आने लगे थे। जिन्ना ने जब देखा कि कांग्रेस झुक रही है तो उन्होंने अपनी माँगें और बढ़ा दीं। दूसरी ओर हिंदू नेताओं ने दावा किया कि वे ही हिंदू हितों के संरक्षक हैं, जिनका बलिदान कांग्रेस राष्ट्रीय एकता के नाम पर लगातार करती आ रही है। यह प्रचार काफी सफल रहा और हिन्दू सांप्रदायिक तत्त्वों का प्रभाव बढ़ा। लेकिन कांग्रेस ने विभाजन क्यों और कैसे मंजूर कर लिया? मुसलिम लीग किसी भी कीमत पर अपना हक लेने के लिए अड़ गई और ब्रिटिश सरकार को अपने ही बनाए जाल से न निकल पाने के कारण उनकी मांग को मंजूर करना पड़ गया, यह बात तो समझ में आती है। लेकिन भारत की अखंडता में विश्वास रखने वाली कांग्रेस ने विभाजन क्यों स्वीकार किया, यह अब भी एक मुश्किल सवाल है। आखिर बात क्या थी कि नेहरू और पटेल ने 3 जून योजना की वकालत की और कांग्रेस कार्यसमिति तथा (अखिल भारतीय) कांग्रेस समिति ने उसके पक्ष में प्रस्ताव पारित कर दिया? सबसे आश्चर्य की बात तो यह है कि गांधीजी तक ने अपनी मूक स्वीकृति दे दी। क्यों? साम्यवादियों और गांधीवादियों, दोनों का मानना है।

रोजगार विहीन विकास की रणनीति पर नरेंद्र मोदी सरकार

डॉ युगल रायलू

वर्ष 2014 में चुनाव के लिए प्रचार के दौरान, नरेंद्र मोदी ने मतदाताओं से कई वायदे किए थे। उनके द्वारा किये गये सबसे प्रमुख वायदों में से एक था हर साल दो करोड नौकरियों का सृजन करना।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार के बारे में कई बातें सामने आयी हैं, जिनमें से एक प्रमुख है वर्तमान में अपनायी जा रही रोजगार विहीन विकास की रणनीति जिसके कारण बेरोजगारी की ऊंची दरको लेकर चिंता बढ़ती जा रही है। वर्ष 2014 में चुनाव के लिए प्रचार के दौरान, नरेंद्र मोदी ने मतदाताओं से कई वायदे किए थे। उनके द्वारा किये गये सबसे प्रमुख वायदों में से एक था हर साल दो करोड नौकरियों का सृजन करना। अपने वायदे के अनुसार, दस वर्षों में उन्हें और उनकी सरकार को प्रधानमंत्री के रूप में तीसरे कार्यकाल के लिए जाने से पहले (प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से) बीस करोड़ नौकरियां (दो सौ मिलियन नौकरियां) पैदा करनी चाहिए थीं। अपने कई वायदों की तरह, पीएम ने बहुत ही चतुराई और सुविधापूर्वक इस वायदे को भूलने का विकल्प चुना। वास्तव में उनके कई नीतिगत निर्णयों के कारण रोजगार में गिरावट आयी, जिससे ऐसी स्थिति पैदा हुई कि पिछले चालीस वर्षों में बेरोजगारी सबसे अधिक बढ़ गयी। देश में रोजगार में गिरावट का एक महत्वपूर्ण कारण सरकार द्वारा सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों (पीएसयू) को बेचना था। स्वतंत्र भारत में किसी अन्य सरकार ने इतने सस्ते दरों पर इतने सारे पीएसयू नहीं बेचे। कुल मिलाकर इसका असर न केवल उत्पादकता पर पड़ा, बल्कि रोजगार पर भी पड़ा। लाखों युवा बेरोजगार रह गये! एक तरफ बेरोजगारी बढ़ती जा रही थी, दूसरी तरफ आबादी के एक छोटे से हिस्से के पास धन का अधिकाधिक संकेन्द्रण हो रहा था। आबादी का मात्र एक प्रतिशत हिस्सा अब देश की सत्तर प्रतिशत (70प्रतिशत) संपत्ति का मालिक था। दुनिया में कहीं भी, अमीर और गरीब के बीच का अंतर इतना बड़ा नहीं है। भारत को श्एकाधिकार पूंजीवादश के रास्ते पर ले जाया जा रहा है! सुविधाकर्ता भारत सरकार है। अहमदाबाद से लेकर कोलकाता तक हर हवाई अड्डा अब अडानी समूह का है। हवाई यात्रा की लागत में अचानक वृद्धि के खिलाफ उंगली उठाने की हिम्मत किसी में नहीं है। पीएम नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की कॉरपोरेट समर्थक आर्थिक नीतियों से जो निकला, वह बेरोजगारी वाला विकास का एक पाठ्यपुस्तक मामला था। भारत की अर्थव्यवस्था बढ़ रही है। हम जल्द या थोड़ी देर से श्पांच ट्रिलियनश की अर्थव्यवस्था बन सकते हैं, फिर भी हमारे युवा बेरोजगार रहेंगे! पिछले साल जब फ्रांस में पर्याप्त नौकरियाँ नहीं बनीं और मौजूदा नौकरियों में श्हायर एंड फायरश की नीति लायी गयी, तो देश का पूरा युवा बेहतर नौकरी और बेहतर वेतन की माँग को लेकर सड़कों पर उतर आया। एक पूरे हफ्ते तक फ्रांस में जिंदगी ठहर सी गयी थी। आखरिकार मैक्रोन की सरकार ने युवाओं की माँगों के आगे घुटने टेक दिये। श्हायर एंड फायरश की नीति को समय की गारंटी से बदल दिया गया। तभी स्थिति सामान्य हो सकी। नौकरियाँ बहुत जरूरी हैं! जब भी अर्थव्यवस्था में मंदी आती है, तो सबसे पहले आकस्मिक कामगारों को मंदी का सामना करना पड़ता है। महिलाओं को सबसे पहले घर भेजा जाता है। फिर अस्थायी कामगारों का नंबर आता है। चूंकि असंगठित क्षेत्र में कोई यूनियन नहीं है, इसलिए गरीब कामगार ठेकेदारों की दया पर निर्भर हैं। रिपोर्ट कहती है कि जब भी बाजार में उथल–पुथल होती है, तो सबसे कम आय वाले लोगों की आय में सबसे ज्यादा गिरावट आती है। मोदी सरकार ने एक और चाल चली है। गरीब लोगों को शिक्षा से दूर रखकर। ऐसे लोगों की रोजगार क्षमता कम हो जाती है। यह एक अवलोकन है कि जब युवा ठीक से शिक्षित नहीं होते हैं तो वे सबसे कम पारिश्रमिक पर जल्दी नौकरी की तलाश करते हैं। यह निजी कंपनियों के लिए अच्छा है। जब कोई बड़ी सार्वजनिक क्षेत्र की इकाई किसी निजी कंपनी को सौंपी जाती है, तो सबसे पहले नया मालिक कर्मचारियों की संख्या कम कर देता है। इससे तुरंत लाभ की सीमा बढ़ जाती है। चूंकि काम वही रहता है, इसलिए मौजूदा कर्मचारियों को लंबे समय तक काम पर रहना पड़ता है। पूंजीवाद समर्थक स्तंभकार तुरंत निजी खिलाडियों के अधीन कंपनी की कार्यकुशलता के बारे में लिखना शुरू कर देते हैं। वे चतुराई से इस तथ्य को छिपाते हैं कि बहुत से कर्मचारियों की नौकरी चली गयी और शेष कर्मचारियों का प्रतिदिन शोषण किया जा रहा है। बढ़ा हुआ लाभ शोषित श्रमिकों के खून–पसीने की कमाई का प्रतिबिम्ब है। हाल ही में भारत के एक बड़े पूंजीपति ने बैंगलोर में सत्तर घंटे काम करने का आह्वान किया।सभी केंद्रीय ट्रेड यूनियनों ने तुरंत इस प्रस्ताव के खिलाफ आवाज उठाई।

वक्फ अधिनियम में संशोधन पर देश विभाजित

असद मिर्जा

नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा वक्फ अधिनियम, 1995 में संशोधन करने के कदम की धर्मनिरपेक्ष पार्टियों और मुस्लिम संगठनों दोनों ने कड़ी आलोचना की है। लेकिन यह इस तथ्य को भी उजागर करता है कि तथाकथित मुस्लिम नेता खुद अपने घर को सही करने के लिए तैयार नहीं हैं। कई राज्यों के वक्फ बोर्डों में कथित अनियमितताओं का फायदा उठाते हुए, सरकार ने इन नेताओं को देश की राजनीति में उनकी जगह दिखाने के लिए यह कदम उठाया है, इससे पहले ट्रिपल तलाक के मुद्दे पर उन्हें कड़ी फटकार लगायी गयी थी। प्रस्तावित संशोधनों के अनुसार, वक्फ बोर्ड द्वारा संपत्तियों पर किये गये सभी दावों का अनिवार्य सत्यापन किया जायेगा। वक्फ बोर्ड द्वारा दावा की गयी संपत्तियों के लिए एक अनिवार्य सत्यापन प्रक्रिया प्रस्तावित है। वक्फ अधिनियम, 1995 की स्थापना औकाफ को विनियमित करने के लिए की गयी थी, जिसका अर्थ है वक्फ के रूप में दान की गयी और नामित वह संपत्ति जो एक वाकिफ द्वारा मुस्लिम कानून द्वारा पवित्र, धार्मिक या धर्मार्थ के रूप में मान्यता प्राप्त उद्देश्यों के लिए समर्पित करता है। प्रस्तावित संशोधन विभिन्न राज्य निकायों में मुस्लिम महिला सदस्यों को शामिल करके समावेशिता की बात करते हैं। दरअसल, मुस्लिम खुद इसके खिलाफ नहीं हैं, क्योंकि इस्लाम एक महिला को मुतवल्ली – वक्फ संपत्ति का प्रबंधक या किसी वक्फ बोर्ड का सदस्य होने की अनुमति देता है, क्योंकि यह एक प्रबंधकीय पद है और इसके लिए इस्लामी कानूनों के किसी विशेष प्रशिक्षण की आवश्यकता नहीं होती है, ऐसा दिल्ली स्थित इस्लामिकफिकह अकादमी से जुड़े एक मुफ्ती ने बताया। दरअसल, ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड में भी कई महिला सदस्य हैं, उन्होंने आगे कहा। इसलिए, यह बहाना व्यापक आबादी को गुमराह करने के लिए है कि मुसलमान विभिन्न वक्फ निकायों में एक महिला सदस्य को शामिल करने के खिलाफ हैं। इस विधेयक को लाने की नींव पिछले साल तब रखी गयी थी जब मार्च 2023 में वकील अश्विनी कुमार उपाध्याय द्वारा एक जनहित याचिका दायर की गयी थी। केंद्र ने दिल्ली उच्च न्यायालय को बताया था कि वक्फ अधिनियम के एक या अधिक प्रावधानों को चुनौती देने वाली लगभग 120 रिट याचिकाएं देश की विभिन्न अदालतों में लंबित हैं। उपाध्याय ने वक्फ अधिनियम के कुछ प्रावधानों की वैधता को चुनौती दी थी और केंद्र से श्ट्रस्ट और ट्रस्टी, दान और धर्मार्थ संस्थाओं, और धार्मिक बंदोबस्ती और संस्थाओं के लिए एक समान कानूनश बनाने का निर्देश मांगा था। याचिकाकर्ता ने कहा कि वक्फ अधिनियम 1995 वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन की आड़ में बनाया गया था, लेकिन हिंदू धर्म, बौद्ध धर्म, जैन धर्म, सिख धर्म, यहूदी धर्म, बहाई धर्म, पारसी धर्म और ईसाई धर्म के अनुयायियों के लिए समान कानून नहीं थे। श्इसलिए, यह राष्ट्र की धर्मनिरपेक्षता, एकता और अखंडता के खिलाफ है। यहां, यह पूछने पर मजबूर होना पड़ता है कि क्या सरकार भारत भर में विभिन्न ट्रस्टों को विनियमित करने के लिए उसी आधार पर तैयार होगी, जो बद्रीनाथ,केदारनाथ से लेकर तिरुपति तक विभिन्न मंदिरों का प्रबंधन करते हैं। क्या यह इन ट्रस्टों को महिला सदस्यों को शामिल करने के लिए मजबूर कर पायेगी, ताकि समावेशिता बढ़े? मामले को और जटिल बनाने और मुस्लिम समुदाय के बीच कलह के बीज बोने के लिए, सरकार कथित तौर पर बोहरा. आगाखानी और अन्य के लिए अलग वक्फ बोर्ड का गठन करना चाहती है। सरकार द्वारा वक्फ अधिनियम, 1995 में संशोधन की तैयारी के बीच, अल्पसंख्यक मामलों के केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि कानून में संशोधन के लिए गरीब मुस्लिम समूहों की ओर से लंबे समय से मांग की जा रही है। लेकिन वे इन गरीब मुस्लिम समूहों की पहचान करने में विफल रहे। संशोधनों का समर्थन करने के लिए अब तक एकमात्र समूह अखिल भारतीय सूफी सज्जादानशीन परिषद (एआईएसएससी) है, जिसने सरकार के कदम का स्वागत किया है और निहित स्वार्थों पर मुस्लिम समुदाय को गुमराह करने का आरोप लगाया है। लेकिन एआईएसएससी भारतीय मुसलमानों का प्रतिनिधित्व नहीं करता है और इसके सदस्य के रूप में विभिन्न संप्रदायों के मुस्लिम मौलवी नहीं हैं। प्रस्तावित कानून केंद्रीय वक्फ परिषद और राज्य वक्फ बोर्डों में मुस्लिम और गैर–मुस्लिमों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करेगा। अब मुसलमानों के कल्याण से संबंधित संगठन में गैर–मुस्लिम सदस्यों को क्यों शामिल किया जाना चाहिए? एक बार फिर, पहले वाला सवाल उठता है कि क्या हिंदू मंदिर और धार्मिक ट्रस्ट किसी भी मुस्लिम को अपना सदस्य बनने की अनुमति देंगे? आलोचना से बचने के लिए सरकार यह तर्क देती है कि वह न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) राजिंदर सच्चर की अध्यक्षता वाली उच्च स्तरीय समिति की सिफारिशों और केआर रहमान की अध्यक्षता वाली वक्फ और केंद्रीय वक्फ परिषद पर संयुक्त संसदीय समिति की रिपोर्ट के आधार पर काम कर रही है, हालांकि उनकी सिफारिशों और अन्य हितधारकों के साथ विस्तृत परामर्श के बाद वर्ष 2013 में अधिनियम में व्यापक संशोधन किये गये थे। भारत भर के अधिकांश मुस्लिम संगठनों ने प्रस्तावित संशोधनों की तीखी निंदा की है। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीनओवैसी ने प्रस्तावित विधेयक की निंदा करते हुए भाजपा पर श्हिंदुत्व एजेंडाश चलाने का आरोप लगाया है। विपक्षी दल भी इसके खिलाफ हैं। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि च्च्हम इसके (वक्फ अधिनियम संशोधन विधेयक) खिलाफ होंगे। आईयूएमएल के ई. टी. मोहम्मदबशीर ने कहा कि सरकार की ओर से उठाया गया यह कदम गलत इरादे से उठाया गया है। शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंकाचतुर्वेदी ने आरोप लगाया कि भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार बजट पर चर्चा से भागना चाहती है और इसलिए वे वक्फ मुद्दे को लेकर आयी है।

मेष :– कोई नई जिज्ञासा मन को आकर्षित करेगी। भौतिक सुख–साधनों की लालसा बढ़ेगी। शिक्षा–प्रतियोगिता की दिशा में किया गया परिश्रम सार्थक होगा। रोजगार में प्रगति संभव।

बृषभ :– स्वयं पर भरोसा रख योजनाओं को सुचारू रुप से क्रियान्वित करें। सगे–संबंधों में सरल व व्यावहारिक बनने की कोशिश करें। अर्थाभावश चिंता संभव।

मिथुन :– किसी महत्वपूर्ण कार्य में अवरोध से मन हतोत्साहित होगा। संबंधों के प्रति कुछ नयी शिकायतें संभव। किसी विद्वान के विचारों से प्रभावित मन में उत्साह का संचार होगा।

कर्क :– कोई नई जिज्ञासा मन को आकर्षित करेगी। भौतिक सुख–साधनों की लालसा बढ़ेगी। शिक्षा–प्रतियोगिता की दिशा में किया गया परिश्रम तीव्र होगा। रोजगार में प्रगति संभव।

सिंह :– किसी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा। मित्रवत संबंधों का लाभ प्राप्त होगा। आवेश में लिये गये निर्णय से पश्चाताप संभव। रोजगार में अति व्यस्तता रहेगी किंतु कायरे को समय से पूर्ण करें।

कन्या :– समस्याओं के समाधान हेतु मन नयी–नयी युक्तियों पर केंद्रित होगा। महत्वपूर्ण कायरें के प्रति आलस्य न करें। छोटी–छोटी बातों पर क्रोधित न हो। जीवन साथी से मधुरता कायम रखें।

तुला :– मन सकारात्मक विचारों से प्रभावित होगा। नाजुक संबंधों में संतुलित वाणी का प्रयोग करें। कोई हितैषी बिगड़े हुए संबंधों को सुधरवायेगा। रोजगार में अपनी क्षमता का लाभ उठाएंगे।

वृश्चिक :– सभी प्रकार के दायित्वों की पूर्ति हेतु संतुलित योजना पर चलें। किसी महत्वपूर्ण निर्णय में सगे–संबंधियों का सहयोग प्राप्त होगा। विरोधियों की प्रबलता से कार्यक्षेत्र में कुछ कठिनाइयां संभव।

धनु :– नये समीकरण लाभकारी कार्य क्षमता के परिचायक होंगे। प्रणय संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। आय–व्यय में संतुलन बनाने का प्रयत्न करें। महत्वपूर्ण कायरे में आलस्य का त्याग करें।

मकर :– कुछ अच्छे आसारों से मन प्रफुल्लित रहेगा। पेशे संबंधी कोई यात्रा में अवरोध संभव। शिक्षार्थियों के लिए विशेष लाभ के आसार बनेंगे। जीवन साथी के स्वास्य के प्रति सतर्कता अपेक्षित है।

कुंभ :– पुरानी समस्याओं पर विजय प्राप्त कर उत्साहित होंगे। नियोजित कार्यकुशलता से प्रगति के लिए आशान्वित होंगे। सुखद कायरें की व्यस्तता रहेगी। जीवन साथी के स्वास्य के प्रति सतर्क रहें।

मीन :– क्षमता से परे किसी कार्य की जिम्मेदारी लेना हानिकार हो सकती है। विद्यार्थी शिक्षा में लापरवाही न करें। रोजगार में लाभ के नये अवसर प्राप्त होंगे। परिवार में मेहमान के आगमन से व्यय संभव।

जुलाई में मुद्रास्फीति की बहुत कम दर के सरकारी आंकड़ों पर प्रश्नचिह्न

अंजन रॉय

अंतिम आंकड़े जुलाई 2024 में कुल मुद्रास्फीति दर 3.54 प्रतिशत दर्शाते हैं, जो जून में 5.1 प्रतिशत की मुद्रास्फीति दर से बहुत कम है। यहां तक कि जुलाई में मुख्य खाद्य मूल्य मुद्रास्फीति में भी अचानक गिरावट देखी गई और यह देश भर में 5.4 प्रतिशत हो गई।

बांद्र सरकार द्वारा सोमवार को जारी किये गये नवीनतम मुद्रास्फीति के आंकड़ों से पता चलता है कि 2019 के बाद से कीमतों में सबसे कम वृद्धि हुई है। यह अच्छी खबर है। लेकिन यह कई सवाल भी खड़े करता है। अंतिम आंकड़े जुलाई 2024 में कुल मुद्रास्फीति दर 3.54 प्रतिशत दर्शाते हैं, जो जून में 5.1 प्रतिशत की मुद्रास्फीति दर से बहुत कम है। यहां तक कि जुलाई में मुख्य खाद्य मूल्य मुद्रास्फीति में भी अचानक गिरावट देखी गई और यह देश भर में 5.4 प्रतिशत हो गई, जबकि सब्जियों, फलों और अनाज के मामलों में भी उल्लेखनीय कमी आई। लेकिन खुदरा बाजारों में खाद्य कीमतों के अनुभव को देखते हुए यह आश्चर्यजनक है, खासकर अप्रैल, मई और जून 2024 में खाद्य कीमतों के रुझान के मद्देनजर। मुद्रास्फीति दर में तेज गिरावट एक तरह की पहेली प्रतीत होती है और रिजर्व बैंक ने अपने पिछले मौद्रिक नीति वक्तव्य में जो उम्मीद की थी, उसके विपरीत है। हालांकि इसने अपनी उम्मीदों को यह कहते हुए स्पष्ट किया कि पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में करीब 3 प्रतिशत के आधार प्रभाव के बाद जुलाई में खाद्य मुद्रास्फीति दर में अनुकूल रुझान दिखना चाहिए। चालू वित्तीय वर्ष की चौथी तिमाही में, जब कृषि क्षेत्र पर अनुकूल दक्षिण–पश्चिम मानसून का असर दिखने लगेगा, तभी खाद्य कीमतों में नरमी आने की उम्मीद है। वास्तव में, नीति वक्तव्य में उपभोक्ता मामलों के विभाग द्वारा बताये गये नवीनतम खाद्य मूल्य मुद्रास्फीति के रुझानों पर विशेष ध्यान दिया गया है। उच्च आवृत्ति वाले खाद्य मूल्य ने जुलाई में टमाटर की कीमतों में 62.1 प्रतिशत, प्याज की कीमतों में 22.6 प्रतिशत और आलू की कीमतों में 18.0 प्रतिशत की वृद्धि दिखाई। जुलाई में प्रमुख दालों की कीमतों में भी 0.4 से 4.3 प्रतिशत की सीमा में वृद्धि हुई। आइए, हम पिछले मौद्रिक नीति वक्तव्य में दी गई खाद्य मूल्य मुद्रास्फीति दरों पर बारीकी से नजर डालें। अप्रैल–मई में 4.8 प्रतिशत पर रही मुख्य मुद्रास्फीति जून में बढ़कर 5.1 प्रतिशत हो गयी। अप्रैल–मई में 7.9 प्रतिशत से जून में खाद्य मुद्रास्फीति बढ़कर 8.4 प्रतिशत हो गयी। मुख्य मुद्रास्फीति में खाद्य का योगदान अप्रैल में 74.7 प्रतिशत से बढ़कर मई में 75.2 प्रतिशत और जून में 76.3 प्रतिशत हो गया। जून 2023 में खाद्य का योगदान 44.8 प्रतिशत था। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) टमाटर में जून में 48.7 प्रतिशत (मासिक) की वृद्धि हुई, जबकि प्याज में 24.2 प्रतिशत (मासिक) और आलू में 12.2 प्रतिशत (मासिक) की वृद्धि हुई, जिसके परिणामस्वरूप सब्जियों के लिए साल–दर–साल मुद्रास्फीति 29.3 प्रतिशत रही। कुल मिलाकर, सीपीआई बास्केट में 6.0 प्रतिशत भार वाली सब्जियों ने जून में मुद्रास्फीति में 34.9 प्रतिशत का योगदान दिया। अनाज की मुद्रास्फीति अप्रैल में 8.6 प्रतिशत से बढ़कर जून में 8.8 प्रतिशत हो गई। फलों की मुद्रास्फीति अप्रैल में 5.2 प्रतिशत से बढ़कर जून में 7.2 प्रतिशत हो गई। दालों की मुद्रास्फीति जून में 16.1 प्रतिशत रही, जो लगातार 13 महीनों में दोहरे अंकों में दर्ज की गई। पहेली यह है कि एक ही वर्ष में खाद्य मूल्य मुद्रास्फीति में इतनी भारी गिरावट कैसे आ सकती है! इसके लिए अधिक विस्तृत अध्ययन की आवश्यकता है। नवंबर 2023–जून 2024 के दौरान खाद्य मुद्रास्फीति औसतन 8 प्रतिशत के आसपास रही। उच्च खाद्य मूल्य मुद्रास्फीति के संदर्भ में, आरबीआई ने अपनी मौद्रिक नीति के रुख को बनाये रखने का विकल्प चुना, बजाय इसे नीचे की ओर संशोधित करने के, जैसा कि मौद्रिक नीति समिति के कुछ सदस्यों ने दृढ़ता से आग्रह किया था। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने अपने बयान में कहा कि मुद्रास्फीति के बारे में जनता की धारणा खाद्य मुद्रास्फीति दरों से प्रभावित होती है और मुद्रास्फीति की उम्मीदें उसी आधार पर बनती हैं। इसलिए, समग्र मौद्रिक नीति रुख तैयार करने में खाद्य मुद्रास्फीति का महत्व है। यह महत्वपूर्ण क्यों है, क्योंकि अगर आम लोगों की मुद्रास्फीति की उम्मीदें कीमतों की उच्च दीर्घकालिक अपेक्षाओं की ओर झुक जाती हैं, तो मुद्रास्फीति श्चिपचिपीश हो जाती है। ऐसी स्थिति में पारंपरिक मौद्रिक नीति उपकरणों के माध्यम से मुद्रास्फीति को नियंत्रित करना मुश्किल हो जाता है, अगरचे कभी–कभी अप्रभावी भी हो जाता है। नवंबर 2023 से, मुद्रास्फीति की उम्मीदों में गिरावट रुक गई है, रिजर्व बैंक ने अपने नीति वक्तव्य में उल्लेख किया था। जुलाई 2024 के सर्वेक्षण दौर में पिछले सर्वेक्षण दौर (मई 2024) की तुलना में तीन महीने और एक साल आगे की मुद्रास्फीति की उम्मीदें 20 बीपीएस तक बढ़ गयीं। मौजूदा मुद्रास्फीति परिदृश्य में पहेली मुख्य मुद्रास्फीति और खाद्य मुद्रास्फीति के बीच का अंतर है। खाद्य और ईंधन मुद्रास्फीति को छोड़कर, मुद्रास्फीति की समग्र दर में नरमी के रुझान दिखाई दे रहे हैं। जून में ईंधन में अपस्फीति (–) 3.7 प्रतिशत है। खाद्य और ईंधन को छोड़कर सीपीआई अप्रैल में 3.2 प्रतिशत से घटकर मई–जून 2024 में 3.1 प्रतिशत हो गई, जो मौजूदा सीपीआई श्रृंखला में एक नया निचला स्तर है। कोर मुद्रास्फीति और खाद्य मुद्रास्फीति के बीच इस स्पष्ट विरोधाभास और विचलन के लिए एक स्पष्टीकरण की आवश्यकता है। संभवतरू खाद्य वस्तुओं के लिए आपूर्ति पक्ष के झटके लग रहे हैं और शायद आपूर्ति में भी अड़चनें हैं। इस मुद्रास्फीति परिदृश्य के खिलाफ, समग्र अर्थव्यवस्था काफी अच्छा प्रदर्शन कर रही है। यानी, विकास–मुद्रास्फीति गतिशीलता में, जिस गति से अर्थव्यवस्था बढ़ रही है, उसके बारे में आशावादी होने का कारण है। जीएसटी राजस्व, जिसे समग्र आर्थिक गतिविधि के लिए एक प्रॉक्सी के रूप में लिया जा सकता है, 1.82 लाख करोड़ रुपये बढ़ा।

जाह्नवी से ज्यादा मेहनती ऐक्टर नहीं देखा, वह हर चीज की गहराई में जाती हैं

सुधांशु सरिया

बॉलीवुड एक्ट्रेस जान्हवी कपूर की फिल्म श्उलझश रिलीज हो चुकी है। इस मूवी में वह लीड रोल में हैं। इसे डायरेक्ट किया है सुधांशु सरिया ने। जिन्होंने बातचीत की और एक्ट्रेस के तारीफों के पुल बांध दिए। फिल्म श्उलझश के डायरेक्टर सुधांशु सरिया ने इंटरव्यू में जान्हवी की तारीफ की जान्हवी कपूर के बारे में डायरेक्टर ने कहा कि वह बहुत मेहनती एक्टर हैं सुधांशु सरिया ने बताया कि फिल्म में जान्हवी उनकी एक्टर नहीं, बल्कि पार्टरन बनी हैं एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर इन दिनों अपनी फिल्म श्उलझश को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में हमसे एक खास बातचीत में फिल्म के निर्देशक सुधांशु सरिया ने अपनी नायिका जाह्नवी की दिल खोलकर तारीफ की। श्जाह्नवी (कपूर) से ज्यादा मेहनती एक्टर मैंने शायद ही देखा है। वह इतनी ईमानदारी और लगन से काम करती हैं, जो कमाल है।श यह कहना है, श्बिग गर्ल्स डोंट क्राईश जैसी सीरीज और श्लवश, श्सनाश जैसी फिल्मों के निर्देशक सुधांशु सरिया का। जाह्नवी उनकी नई फिल्म उलझ की नायिका हैं। सुधांशु के मुताबिक, जाह्नवी फिल्म में उनकी एक्टर ही नहीं, बल्कि पार्टनर की भूमिका में भी रहीं। खूब सवाल–जवाब करती हैं जाह्नवी बकौल सुधांशु, श्अगर आप सेट पर एक डेमोक्रेटिक माहौल बनाएं, जो बनाने की मैंने कोशिश की तो जाह्नवी हर चीज पर सवाल जवाब करेंगी। हर लाइन की गहराई में घुसने की कोशिश करेंगी, हर धारणा को चौलेंज करेंगी, हर मुद्दे पर पूछेंगी कि इसे ऐसे ना करके ऐसे करें तो.., और उनकी नीयत हमेशा सही रहती है। वह सिर्फ ऑडियंस, फिल्म और करैक्टर के बारे में सोचती हैं तो कोई बेवकूफ ही होगा जो उनकी इस काबिलियत का फायदा ना उठाना चाहे। फिल्म में जहां फीमेल नजरिए को लेकर एक अलग समझ की जरूरत थी, वहां जाह्नवी ने काफी सुझाव भी दिए। इस लिहाज से वह सिर्फ मेरी एक्टर ही नहीं पार्टनर भी हैं।श किरदार अपने जेंडर से बहुत बड़ा होता है सुधांशु की हालिया वेब सीरीज बिग गर्ल्स डोंट क्राई और पिछली फिल्म सना भी महिला मुद्दों पर आधारित है। जबकि, उलझ में भी केंद्रीय भूमिका में नायिका है। महिलाओं की कहानियां सुनाते समय फीमेल दृष्टिकोण को सुधांशु कितना जरूरी मानते हैं? इस पर उनका कहना है, श्यह सौ फीसदी जरूरी है। हालांकि, मेरा मानना है कि सबसे जरूरी है कि आप फिल्म को पूरी ईमानदारी से बनाए। मेरे हिसाब से कोई भी किरदार अपने जेंडर से बहुत बड़ा होता है। उसकी पहचान सिर्फ उसके जेंडर से नहीं होती है।उसके किरदार में दस और चीजें होती हैं, वो पहलू तो मैं ला ही सकता हूं। जिन चीजों पर मेरी पकड़ नहीं है, उसे भी रिसर्च से लाया जा सकता है। इसके अलावा, एक फिल्म सिर्फ अपने नायक या नायिका तक ही सीमित होती है, उसके कई और आयाम होते हैं। बाकी, जहां एक औरत की इनसाइट बहुत जरूरी थी, वहां जाह्नवी ने मुझे मदद की। मेरी प्रड्यूसर, मेरी डायलॉग राइटर अतिका चौहान, मेरी सिनेमेटोग्राफर, प्रोडक्शन डिजाइनर सब औरतें हैं, उनका नजरिया मैंने जेहन में रखा, ताकि गलती ना हो।श मर्दों वाली फिल्मों पर क्यों सवाल नहीं करते? महिलाओं से जुड़ी कहानियां सुनाने की ओर रुझान के बारे में पूछने पर सुधांशु कहते हैं, श्मुझे लगता है कि ऑडियंस वो पुराने तरह की घिसी पिटी फिल्में देखकर बोर हो चुकी है। जेंडर को लेकर भी उनका नजरिया बदला है। आज औरतें घर, बाहर, हर फील्ड में जैसे परफॉर्म और ओवर परफॉर्म कर रही हैं, वह सब सामने है तो हमारा भी फर्ज है कि उसी तरह के किरदार हम अपनी फिल्मों में दिखाए। सुहाना वैसा ही एक किरदार है। अभी हर हफ्ते मर्दों को अलग–अलग नजरिए से दिखाती दस फिल्में आती हैं पर उन पर कोई सवाल नहीं करता है कि ये एक और मेल सेंट्रिक फिल्म क्यों बन गई? जबकि, औरतों के मामले में तो हम अभी सतह पर ही हैं। मैं चाहूंगा कि मुझे और दस चीजें बनाने का मौका मिले, जिनमें मैं औरतों को अलग अलग तरह से दिखा सकूं।

निक्की तंबोली की इन तस्वीरों ने किया टेंपरेचर हाई, फैंस बोले – उफ्फ हॉटी

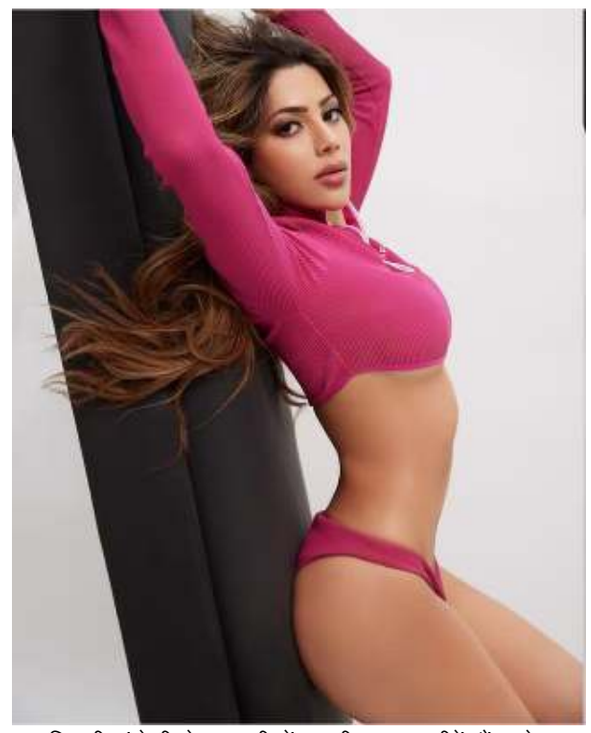

निक्की तंबोली ने हाल ही में अपनी कुछ तस्वीरें फैंस के साथ शेयर की हैं, जिनमें वो हॉटनेस का तड़का लगाती हुई दिखाई दे रहीं हैं।

माथे पर मांग टीका, गले में हैवी हार, लहंगे में अप्सरा सी हसीन दिखीं नोरा फतेही

नोरा फतेही पीच कलर के हैवी कढ़ाई वर्क वाले लहंगा–ब्लाउज सेट में बेहद प्रिटी लग रहीं हैं, क्या आपने देखीं ये तस्वीरें।

जाह्नवी कपूर के बॉस लेडी लुक पर थम जाएंगी निगाहें

जाह्नवी कपूर सी–ब्लू कलर के ब्लेजर और मिनी स्कर्ट में बेहद गॉर्जियस लग रहीं हैं, जिन पर फैंस दिल हार बैठे हैं।

सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर उर्फी जावेद अपने अजीबो–गरीब फैशन सेंस के लिए जानी जाती हैं. एक्ट्रेस अपने फैशन के साथ आए दिन एक्सपेरिमेंट करती रहती हैं जिसकी वजह से उन्हें ट्रोल भी होना पड़ जाता है. उर्फी जावेद अक्सर अपने अतरंगी लुक और अनोखे फैशन सेंस के कारण सुर्खियों में बनी रहती हैं. इस बात में कोई शक नहीं है कि उर्फी स्टाइल के मामले में अच्छे–अच्छों को मात देती हैं. उर्फी ना सिर्फ अपने फैशन बल्कि बेबाकी से बोलने के लिए भी जानी जाती हैं. प्राइवेट फोटो हो गई थी लीक हाल ही में उर्फी जावेद ने खुद को लेकर एक चौंकाने वाला खुलासा किया है. उर्फी का ये स्टेटमेंट सुनकर हर कोई हैरान रह गया है. जी हां उर्फी जावेद ने साक्षी शिवदासानी और नैना भान के साथ पॉडकास्ट में अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर कई बातें की. लेकिन उन्होंने एक ऐसी घटना के बारे में भी बताया जिसे सुनकर हर कोई दंग रह गया. दरअसल उर्फी ने बात को शुरू करते हुए कहा कि इससे पहले उन्होंने इस बारे में ज्यादा किसी से बात नहीं की है. ये वाक्या कोविड महामारी के ठीक बाद का है. उर्फी जावेद ने बताया कि, उस समय मेरा स्नैपचौट किसी ने हैक कर दिया था. जिससे मेरी सारी फोटोज मेमोरीज में सेव हो गई थी, जो कि मेरी ही गलती थी. क्योंकि मैंने डबल ऑथेंटिकेशन नहीं किया था. इस वजह से मेरी सारी प्राइवेट फोटोज लीक हो गई थी. आगे एक्ट्रेस ने बताया कि इसके बाद स्नैपचौट होने पर किसी ने मेरी प्राइवेट फोटोज को स्टोरी पर पोस्ट कर दिया थी, लेकिन जैसे ही मुझे पता चला मैंने उन्हें तुरंत डिलीट कर दी थी. लेकिन तब तक कई लोग उस स्टोरी के स्क्रीनशॉट ले चुके थे. मेरी प्राइवेट फोटोज वायरल भी हो गई थी.श एक्ट्रेस ने किया शॉकिंग खुलासा बता दें कि उर्फी जावेद का नाम उन एक्ट्रेसेस में आता है जो कि अपने अजीब फैशन को लेकर चर्चा में रहती हैं. जब–जब बॉलीवुड या टीवी इंडस्ट्री में अतरंगी फैशन की बात होगी, उर्फी का नाम जरूर लिया जाएगा. उर्फी अपने अनोखे फैशन सेंस के कारण आए दिन सुर्खियों में रहती हैं. कई बार तो उनका निराला अंदाज हैरानी जताने पर भी मजबूर कर देता है.

इंडस्ट्री में पिछले कुछ समय से एक्टर्स की गैरजरूरी डिमांड्स और बढ़ी हुई फीस पर बहस छिड़ी हुई है। अब इस मुद्दे पर अरशद वारसी ने भी अपनी बात रखी है। अरशद ने एक्टर्स के बीच फीस में असमानता को लेकर बात की है। उनका कहना है कि कुछ स्टार्स ओवरपेड हैं। समदीश भाटिया को दिए इंटरव्यू में अरसद वारसी ने इंडस्ट्री में मिलने वाली फीस में अंतर को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है। एक्टर ने कहा– मुझे लगता है इतना ज्यादा जो मिल रहा है, नहीं मिलना चाहिए। कुछ एक्टर्स की बढ़ी हुई फीस इंडस्ट्री में । और ठ के बीच लाइन खींच दी है। अरसद वारसी ने आगे बताया– यह स्थिति इंडस्ट्री में एक्टर्स के बीच विभाजन पैदा करती है, जिससे उन लोगों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है जो आर्थिक रूप से उतने भाग्यशाली नहीं हैं। कुछ एक्टर्स हैं जो ज्यादा पैसा कमा रहे हैं और उनको देने के लिए बाकी के लोग परेशान हो रहे हैं। अरसद वारसी ऐसे एक्टर हैं जिन्होंने तीन दशक से अधिक लंबे करियर में श्मुन्ना भाई एमबीबीएसश, श्गोलमालश और श्इश्किायाश जैसी कई फिल्मों में यादगार किरदार निभाएं हैं।

ग्लोइंग स्किन की चाहत हर किसी की होती है लेकिन त्वचा को चमकदार बनाना काफी मुश्किल होता है। अगर आप भी ग्लोइंग स्किन चाहती हैं बस इन टिप्स को फॉलों करें।

खराब जीवनशैली और बढ़ते हुए पॉल्यूशन से त्वचा दिनों दिन बेजान हो जाती है और चेहरे की चमक कहीं खो जाती है। स्वस्थ त्वचा के लिए स्किन केयर करना काफी जरुरी है। शहद स्किन के लिए सबसे बेहतर होता है। इसके यूज करने से आप त्वचा को सॉफ्ट और ग्लोइंग बना सकते हैं। शहद चेहरे को ढेरों फायदे हो सकते हैं। आइए जानते हैं शहद का इस्तेमाल कैसे करें।

पोषण तत्वों का भंडार

गौरतलब है कि शहद में कई पोषक तत्व पाए जाते हैं। इसमें प्रोटीन, कार्ब्स, फाइबर, कॉपर, सोडियम जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। आइए शहद से स्किन को होने वाले फायदों के बार में जानते हैं।

दूध में मिलाकर लगाएं

अगर आप शहद में दूध मिलाकर चेहरे पर लगा ले। इसमें लैक्टिक एसिड होता है, जो स्किन के दाग–धब्बों को साफ करता है। यह कॉम्बिनेशन स्किन के लिए नेचुरल क्लींजर का काम करता है। इससे आपकी स्किन एकदम खिली–खिली नजर आएगी।

केले मिलाकर लगाएं

चेहरे पर आप शहद और केला मिलाकर लगा सकते हैं। इसके चमत्कारिक रिजल्ट आपको देखने को मिलेगा। इससे पिंपल्स, झुर्रियां और डार्क स्पॉट्स को दूर करने में मदद मिलती है। इस पैक को चेहरे पर लगाने से त्वचा की रंगत में सुधार होता है।

गुलाब जल के साथ लगाएं

आप शहद और गुलाब जल को मिलाकर भी चेहरे पर लगा सकते हैं। गुलाब जल त्वचा में ठंडक पहुंचाता है। इससे डेड स्किन सेल्स को साफ किया जा सकता है। इसको लगाने से त्वचा से एक्ने, दाग–धब्बे और डार्क स्पॉट्स से छुटकारा मिल सकता है।

दही में मिलाकर लगाएं

शहद को दही के साथ मिक्स करके भी लगा सकते हैं। इससे स्किन के पिंपल्स, झुर्रियों और टैनिंग से छुटकारा मिलेगा। यह मिश्रण चेहरे की ड्राईनेस दूर करता है।

सूरजमुखी के बीज एक पौष्टिक स्नैक हैं जो आपके आहार में आवश्यक विटामिन और खनिज जोड़ सकते हैं। इनका नियमित सेवन विभिन्न स्वास्थ्य लाभ प्रदान कर सकता है। इन्हें खाने से निम्नलिखित विटामिन और पोषक तत्व मिलते हैं। चलिए जानते हैं इसे किस तरह अपने आहार में शामिल कर सकते हैं।

सूरजमुखी के बीज खाने के लाभ

हृदय स्वास्थ्यरू सूरजमुखी के बीज में फाइटोस्टेरोल्स और हेल्दी फैट्स (जैसे मोनोअनसैचुरेटेड और पॉलीअनसैचुरेटेड फैट्स) होते हैं, जो कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम कर सकते हैं और हृदय स्वास्थ्य को बढ़ावा दे सकते हैं।

वजन प्रबंधनः फाइबर और प्रोटीन की उच्च मात्रा भूख को कम करने में मदद करती है और लंबे समय तक पेट भरा हुआ महसूस कराती है।

त्वचा और बालों का स्वास्थ्यः विटामिन ई और एंटीऑक्सिडेंट्स त्वचा को हाइड्रेटेड और स्वस्थ रखते हैं, और बालों को मजबूत और चमकदार बनाते हैं।

हड्डियों का स्वास्थ्यः मैग्नीशियम, कैल्शियम, और अन्य खनिज हड्डियों को मजबूत करते हैं और ऑस्टियोपोरोसिस जैसी स्थितियों से बचाव करते हैं।

पाचन सुधारः फाइबर पाचन स्वास्थ्य को सुधारता है और कब्ज जैसी समस्याओं से राहत दिलाता है।

प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनानाः सेलेनियम और अन्य विटामिन प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करते हैं, जिससे बीमारियों से लड़ने की क्षमता बढ़ती है।

सूरजमुखी के बीज खाने के तरीके

– आप सूरजमुखी के बीज को सीधे खा सकते हैं। इन्हें हल्का भूनकर खाने से इनका स्वाद और भी बेहतर हो जाता है।

– सलाद में क्रंच और न्यूट्रिशन जोड़ने के लिए आप सूरजमुखी के बीज डाल सकते हैं।

– स्मूदीज में सूरजमुखी के बीज डालकर उन्हें और पौष्टिक बना सकते हैं।

– अपने ब्रेकफास्ट सीरियल या ओट्स में सूरजमुखी के बीज मिलाकर खा सकते हैं।

– योगर्ट के ऊपर सूरजमुखी के बीज डालकर स्नैक या डेजर्ट के रूप में खा सकते हैं।

– बेक्ड गुड्स जैसे ब्रेड, मफिन्स, और कुकीज में सूरजमुखी के बीज का उपयोग कर सकते हैं।

2024 में अब तक पूरे ऑस्ट्रेलिया में काली खांसी (पर्टुसिस) के 17,000 से अधिक मामले सामने आए हैं। यह पूरे 2023 के दौरान सामने आए इस तरह के मामलों की तुलना में छह गुना अधिक हैं। कई राज्यों में समाचारों की सुर्खियों में हाल के हफ्तों और महीनों में काली खांसी फैलने की चेतावनी दी गई है। हाल ही में, पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया में इसमें वृद्धि दर्ज की गई है, जो राज्य के दक्षिण–पश्चिम में सबसे अधिक है। इससे छोटे शिशुओं को गंभीर बीमारी और मृत्यु का सबसे बड़ा खतरा होता है। तो काली खांसी के लिए यह इतना बड़ा साल क्यों रहा? और हम इस खतरनाक बीमारी को आगे फैलने से कैसे रोक सकते हैं?

काली खांसी क्या है?

काली खांसी एक संक्रमण है जो फेफड़ों और वायुमार्ग को प्रभावित करता है। यह जीवाणु बोर्डेटेला पर्टुसिस के कारण होता है। अन्य श्वसन संक्रमणों की तरह, यह खांसने, छींकने या बात करने के माध्यम से एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में आसानी से फैल जाता है। वयस्क और बच्चे काली खांसी से बीमार हो सकते हैं और लंबे समय तक खांसी से पीड़ित हो सकते हैं जो हफ्तों या महीनों तक रह सकती है। शिशुओं में, जब इस तरह की खांसी होती है तो उनके सांस लेने पर हूप की आवाज आती है और खांसने के बाद उन्हें उल्टी हो सकती है। कुछ मामलों में, खांसी नहीं होती, और एक वर्ष से कम उम्र के बच्चों को सांस लेने में रुकावट का अनुभव हो सकता है या उनका रंग नीला पड़ सकता है। छह महीने से छोटे बच्चे विशेष रूप से काली खांसी की चपेट में आते हैं क्योंकि तब तक उनका पूरी तरह से टीकाकरण नहीं हुआ होता है। चार महीने से कम उम्र के शिशुओं में अस्पताल में भर्ती होने की दर सबसे अधिक है। एक वर्ष से कम उम्र के अस्पताल में भर्ती 100 बच्चों में से लगभग एक की संक्रमण से मृत्यु हो सकती है।

इस साल मामले क्यों बढ़ रहे हैं?

अन्य संक्रामक रोगों के साथ, जिनमें इन्फ्लूएंजा जैसे वायरल संक्रमण और समूह ए स्ट्रेप्टोकोकल संक्रमण जैसे जीवाणु संक्रमण शामिल हैं, काली खांसी लगभग कोविड महामारी के चरम पर गायब हो गई। सामाजिक दूरी के उपायों में ढील दिए जाने के बाद, हमने श्वसन संक्रमण फैलने का सामान्य से अधिक बोझ देखा है। यह उन बच्चों के लिए विशेष रूप से सच है, जिनका लॉकडाउन अवधि के दौरान बाहरी वातावरण से कम संपर्क था। काली खांसी आमतौर पर हर तीन से चार साल में बढ़ती है, लेकिन महामारी के दौरान सामाजिक दूरी, सीमा नियंत्रण, लॉकडाउन और मास्क पहनने का मतलब है कि हमारी आखिरी चरम स्थिति 2016 में थी। इसलिए अब कई लोगों में काली खांसी के प्रति सामान्य की तुलना में कम प्रतिरोधक क्षमता है। इसके अलावा, काली खांसी अत्यधिक संक्रामक होती है और प्रतिरक्षा – चाहे टीकाकरण से हो या प्राकृतिक संक्रमण से – समय के साथ कम हो जाती है। इससे लोगों को बार–बार संक्रमण होने का खतरा रहता है।

वैक्सीन के बारे में क्या?

टीकाकरण खुद को और कमजोर बच्चों को काली खांसी के संक्रमण से बचाने का सबसे अच्छा तरीका है। ऑस्ट्रेलिया में, बच्चों को छह सप्ताह, चार महीने और छह महीने (प्राथमिक पाठ्यक्रम) की उम्र में छह पर्टुसिस टीके लगाए जाते हैं। बूस्टर खुराक 18 महीने, चार साल और 7 साल की उम्र में दी जाती है। बहुत छोटे शिशुओं की सुरक्षा के लिए मातृ टीकाकरण सबसे अच्छा तरीका है। गर्भवती महिलाओं के लिए काली खांसी बूस्टर खुराक की सिफारिश गर्भावस्था के 20 सप्ताह से की जाती है। यह बच्चे में सुरक्षात्मक एंटीबॉडी के हस्तांतरण में मदद देता है, जिससे जीवन के पहले कुछ महीनों के दौरान काली खांसी होने की संभावना कम हो जाती है – विशेष रूप से छह सप्ताह में अपना पहला टीकाकरण प्राप्त करने से पहले।

वैक्सीन कितनी असरदार है?

वर्तमान में अनुशंसित टीके गंभीर काली खांसी (लगभग 85ः प्रभावकारिता) से सुरक्षा प्रदान करने में अच्छे हैं। वे बच्चों में हल्के संक्रमण से रक्षा करने में कम सक्षम हैं। इसका मतलब यह है कि उनका काली खांसी के संचरण को कम करने पर अधिक प्रभाव नहीं पड़ता है, जो तब होता है जब हल्के संक्रमण वाले लोग बाहर निकलने और समुदाय में घुलने–मिलने के लिए पर्याप्त रूप से स्वस्थ होते हैं। ऑस्ट्रेलिया में उपलब्ध काली खांसी के टीके ष्अकोशिकीयष् टीके हैं। इन्हें संपूर्ण कोशिका निष्क्रिय टीकों (बोर्डेटेला पर्टुसिस के संपूर्ण निष्क्रिय संस्करण पर आधारित) के बजाय शुद्ध प्रोटीन का उपयोग करके बनाया जाता है।

हार्ट अटैक आने से पहले मरीज के शरीर में कई तरह के संकेत दिख सकते हैं, जिसे इग्नोर करना मरीज के लिए जानलेवा साबित हो सकता है। अटैक आने से कुछ दिन पहले लगभग 50 फीसदी लोगों में इसके लक्षण नजर आते हैं। अगर आप समय रहते इसके लक्षणों पर ध्यान देते हैं, तो काफी हद दिल को होने वाले नुकसान से बचा जा सकता है।

डॉक्टर्स की माने तो हमारा शरीर, हार्ट अटैक से करीब 10 से 2 दिनों के बीच कई तरह के संकेत देता है।

तेजी से सांस लेना

तेजी से सांस लेना या फिर सांसें छोटी होना भी हार्ट अटैक से आने के पहले संकेत हो सकते हैं। कई बार लोगों को यह एलर्जी या फिर अन्य परेशानी लग सकती है। लेकिन इन संकेतों को इग्नोर करने से बचे।

कमर दर्द होना

कमद में दर्द होना या फिर जकड़न महसूस होना भी हार्ट अटैक आने से पहले के संकेत हो सकते हैं। ऐसे लक्षण दिख रहे हैं, तो फौरन अपने एक्सपर्ट से सलाह लें

चक्कर आना

हार्ट अटैक से कुछ दिनों पहले मरीजों को बार–बार चक्कर आना जैसा महसूस हो सकता है। अगर आपको बार–बार कमजोरी या फिर चक्कर आना जैसे फील हो रहा है, तो एक बार अपने डॉक्टर से चेकअप जरुर करवाए।

जबड़ों में दर्द होना

कुछ मरीजों को जबड़ों में दर्द जैसा महसूस हो सकता है। इस तरह के संकेतों को अक्सर लोग दांतों या फिर जबड़ों से जुड़ी परेशानी समझ लेते हैं। ऐसे संकेत नजर आए, तो तुरंत अपने डॉक्टर की मदद लें।

छाती में दर्द होना

मरीज को छाती में या फिर बांहों के आसपास दर्द जैसा महसूस होता है। अगर आपको ऐसे संकेत दिखे, तो डॉक्टर की सलाह लेना बिल्कुल भी न भूलें।

अगर ऐसे लक्षण दिखे तो एक बार डाक्टर की सलाह जरुर लें।

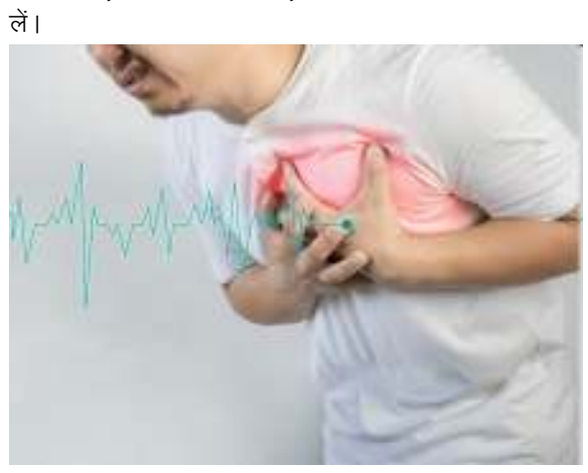

संक्षिप्त

blinkit

रक्षाबंधन पर अमेरिका, जापान तक ब्लिंकिट के जरिए भेज सकेंगे ऑर्डर, सीईओ ने किया ऐलान

रक्षाबंधन का त्यौहार सोमवार को मनाया जाएगा। भाई बहन के प्यार के इस त्योहार को मनाने की तैयारियां होने लगी है। कई ऑनलाइन ब्रॉन्ड्स इस बार रक्षाबंधन के मौके पर अपने ग्राहकों को खास ऑफर भी दे रहे है। कस्टमर्स अपने भाई या बहन के लिए अलग अलग गिफ्ट ऑप्शन से लेकर कई चीजें भेज सकते है। खासतौर से वो लोग जो इस त्योहार पर किसी कारण से एक साथ एक शहर में नहीं है या साथ में त्योहार नहीं मना पा रहे है। ऑनलाइन डिलीवरी प्लेटफॉर्म सहित विभिन्न ब्रांड भी अपने ग्राहकों के लिए विशेष ऑफर दे रहे हैं। हाइपर–लोकल डिलीवरी कंपनी ब्लिंकिट ने पहले ही ग्राहकों के लिए राखियों और उपहारों की सूची बना ली है, ताकि वे इन्हें कुछ ही मिनटों में प्राप्त कर सकें। एक आश्चर्यजनक कदम उठाते हुए कंपनी ने त्यौहार के लिए सीमित समय के ऑर्डर की सुविधा भी जोड़ दी है। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय ऑर्डर सक्रिय कर दिए हैं ताकि विदेश में रहने वाले लोग अपने भाई–बहनों और भारत के लिए राखी ऑर्डर कर सकें। सीईओ अलबिंदर ढींडसा ने नई सुविधा की घोषणा की और कहा कि इसे "10 मिनट में" डिलीवर किया जाएगा। ढींडसा ने अपनी पोस्ट में लिखा, ष्रक्षा बंधन स्पेशल – हमने 19 अगस्त तक ब्लिंकिट पर अंतर्राष्ट्रीय ऑर्डर चालू कर दिए हैं। विदेश में रहने वाले लोग अब भारत में अपने भाई–बहनों को राखी और उपहार भेजने के लिए ब्लिंकिट पर ऑर्डर दे सकते हैं और हम 10 मिनट में डिलीवरी करेंगे!'' उन्होंने कहा कि यह विशेष सेवा चुनिंदा देशों – अमेरिका, कनाडा, नीदरलैंड, जर्मनी, फ्रांस और जापान में उपलब्ध है। शेयर किए जाने के बाद से, इस पोस्ट को 11,000 से ज़्यादा बार देखा गया और लगभग 400 लाइक मिले हैं। कुछ लोगों के मन में इस सीमित समय की सुविधा के बारे में सवाल थे, जबकि अन्य ने ब्लिंकिट के इस कदम की सराहना की। ठीक उसी तरह जैसे इस व्यक्ति ने लिखा, "ब्लिंकिट हमें कभी निराश नहीं करता।" एक अन्य व्यक्ति ने कहा, "क्या सच में? अगर हाँ, तो आप दुनिया जीत रहे हैं – एक बार में एक राखी।"

ओला इलेक्ट्रिक का शेयर 20 प्रतिशत चढ़ा

ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड का शेयर शुक्रवार को 20 प्रतिशत के उछाल के साथ बंद हुआ। बीएसई पर कंपनी का शेयर 19.99 प्रतिशत उछलकर 132.76 रुपये पर और

एनएसई पर 20 प्रतिशत के उछाल के साथ 133.08 रुपये पर बंद हुआ। भाविश अग्रवाल की अगुवाई वाली इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन कंपनी के शेयर नौ अगस्त को बाजार में सूचीबद्ध हुआ था। शेयर अपने निर्गम मूल्य 76 रुपये से वर्तमान में करीब 75 प्रतिशत चढ़ चुका है।

बीते वित्त वर्ष में खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में FDI 30 प्रतिशत घटकर 5,037 करोड़ रुपये

नयी दिल्ली । भारत के खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) पिछले वित्त वर्ष 2023–24 में 30 प्रतिशत घटकर 5,037.06 करोड़ रुपये रह गया है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में 2022–23 के

दौरान 7,194.13 करोड़ रुपये का एफडीआई आया था। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय ने लोकसभा में पेश आंकड़ों में बताया कि इस क्षेत्र में एफडीआई 2021–22 में 5,290.27 करोड़ रुपये और 2020–21 में 2,934.12 करोड़ रुपये रहा। इससे पहले खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में एफडीआई 2019–20 में 6,414.67 करोड़ रुपये, 2018–19 में 4,430.44 करोड़ रुपये, 2017–18 में 5,835.62 करोड़ रुपये, 2016–17 में 4,865.85 करोड़ रुपये और 2015–16 में 3,312 करोड़ रुपये था। खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में विदेशी निवेश को बढ़ाने के लिए मंत्रालय ने कई कदम उठाए हैं, जिसमें क्षेत्रीय नियमों के अधीन खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र के लिए स्वतरू मंजूर मार्ग से 100 प्रतिशत एफडीआई की अनुमति शामिल है। इसके साथ ही भारत में बने खाद्य उत्पादों के संबंध में ई–कॉमर्स सहित अन्य व्यापार के लिए सरकारी अनुमोदन मार्ग के तहत 100 प्रतिशत एफडीआई की अनुमति दी गई है। सरकार ने उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 के तहत लाइसेंसिंग के दायरे से सभी प्रसंस्कृत खाद्य

ईशान किशन ने घरेलू क्रिकेट में की शानदार वापसी, झारखंड के लिए जड़ा शतक

ईशान किशन ने सधी हुई पारी खेलते हुए 61 गेंदों पर अर्धशतक जड़ा और फिर 86 गेंदों पर शतक पूरा किया। ईशान ने इस दौरान 39 गेंदों के अंतर पर नौ छक्के लगाए। ईशान की पारी के दम पर ही झारखंड ने मध्य प्रदेश के खिलाफ मजबूती हासिल कर ली है।

नई दिल्ली। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन ने घरेलू क्रिकेट में शानदार वापसी करते हुए झारखंड के लिए खेलते हुए शतक जड़ा। मध्य प्रदेश के खिलाफ खेले जा रहे बुची बाबू टूर्नामेंट में झारखंड के लिए खेलते हुए ईशान ने दमदार पारी खेली। इस मैच का झारखंड का नेतृत्व कर रहे ईशान दूसरे दिन छठे नंबर पर बल्लेबाजी करने आए। मालूम हो कि मध्य प्रदेश की पारी 225 रन पर ऑलआउट हुई थी। ईशान किशन ने सधी हुई पारी खेलते हुए 61 गेंदों पर अर्धशतक जड़ा और फिर 86 गेंदों पर शतक पूरा किया। ईशान ने इस दौरान 39 गेंदों के अंतर पर नौ छक्के लगाए। ईशान की पारी के दम पर ही झारखंड ने मध्य प्रदेश के खिलाफ मजबूती हासिल कर ली है। ईशान पिछले साल तक सभी प्रारूप में भारतीय टीम का हिस्सा होते थे, लेकिन 2023 सीजन के खत्म होने के दौरान उन्होंने लगातार यात्रा करने का हवाला देते हुए ब्रेक की मांग की थी। इसके बाद ईशान भारतीय टीम में जगह नहीं बना पाए। यहां तक कि उन्हें जून में हुए टी20 विश्व कप के लिए भी टीम में नहीं चुना गया।

ईशान–श्रेयस को केंद्रीय अनुबंध से किया गया था बाहर

ईशान और श्रेयस अय्यर को इस साल फरवरी में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने केंद्रीय अनुबंध से बाहर कर दिया था क्योंकि इन दोनों खिलाड़ियों ने घरेलू लाल गेंद के टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लिया था। ईशान ने आईपीएल 2024 से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी की थी और मुंबई इंडियंस के लिए 14 मैचों में कुल 320 रन बनाए थे जिसमें एक अर्धशतक शामिल था।

अंतिम बार नवंबर में खेले थे ईशान

ईशान भारत के लिए आखिरी बार नवंबर 2023 में टी20 मैच में खेले थे। उन्होंने राष्ट्रीय टीम के लिए पिछले साल जुलाई में आखिरी बार टेस्ट मैच खेला था। इससे पहले, ईशान को अगले महीने शुरू होने वाले दलीप ट्रॉफी के लिए भारत–डी टीम में विकेटकीपर के तौर पर चुना गया था। इस टीम की अगुआई श्रेयस अय्यर करेंगे।

विश्व चौम्पियनशिप में भागीदारी पर खतरा, अदालत के आदेश को चुनौती देगा डब्ल्यूएफआई

नयी दिल्ली। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने शुक्रवार को कहा कि वह दिल्ली उच्च नयायालय के आदेश को चुनौती देगा जिसमें खेल संस्था के कामकाज संभालने के लिए आईओए (भारतीय ओलंपिक संघ) की तदर्थ समिति को बहाल करने का आदेश दिया गया है और उसका कहना है कि इस हस्तक्षेप से भारतीय पहलवानों की आगामी विश्व चौम्पियनशिप में भागीदारी पर खतरा मंडरा सकता है। मौजूदा आदेश डब्ल्यूएफआई के कामकाज पर रोक लगाने और खेल के लिए राष्ट्रीय महासंघ के रूप में कोई भी गतिविधि करने से रोकने की मांग की याचिका पर आया है। शीर्ष पहलवान बजरंग पूनिया, विनेश फोगाट, साक्षी मलिक और उनके पति सत्यव्रत कादियान की याचिका पर अंतरिम आदेश पारित करते हुए न्यायमूर्ति सचिन दत्ता ने कहा कि आईओए समिति का पुनर्गठन कर सकता है। आईओए ने चार अप्रैल को तदर्थ पैनल भंग कर दिया था और यूडब्ल्यूडब्ल्यू ने डब्ल्यूएफआई के चुनाव कराने के बाद इस साल 13 फरवर के निलंबन हटा दिया था। डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष संजय सिंह ने पीटीआई से कहा, ''हम इसे दो न्यायाधीशों की पीठ के समक्ष ले जायेंगे।

आयकर विभाग ने करदाताओं को धोखाधड़ी वाले ईमेल और संदेशों के प्रति आगाह किया

आयकर विभाग समय समय पर करदाताओं को कई फर्जी स्कैम से बचने के लिए आगाह करता रहता है। इस बार भी आईटी विभाग ने अपने करदाताओं को खासतौर से आगाह किया है ताकि वो किसी फ्रॉड का शिकार ना बन जाएं। इसी कड़ी में फर्जी कॉल और पॉप–अप नोटिफिकेशन से होने वाली ऑनलाइन धोखाधड़ी से सावधान रहने की सलाह दी है। इस तरह के फ्रॉड कॉल में कहा जाता है कि वे टैक्स रिफंड प्राप्त कर सकते हैं। आयकर विभाग ने एक्स पर इसकी आधिकारिक पोस्ट के अनुसार, जिन करदाताओं को फर्जी संदेश प्राप्त होते हैं। ऐसे संदेशों पर भरोसा करने से पहले ये जांचना चाहिए कि वो सच है या नहीं। आयकर विभाग ने एक्स पर लिखा, ष्ऐसे ईमेल का जवाब न दें या वेबसाइट पर न जाएं जो क्रेडिट कार्ड नंबर, बैंक खाते का विवरण या कोई अन्य संवेदनशील जानकारी मांगते हैं। आयकर विभाग दिए गए ईमेल पते के ज़रिए करदाताओं से संपर्क कर सकता है। नकली संदेश कुछ इस तरह लिखा जा सकता हैः आपको 15000/– रुपये का आयकर रिफ़ंड स्वीकृत किया गया है, यह राशि जल्द ही आपके खाते में जमा कर दी जाएगी, कृपया अपना खाता नंबर 5XXXXX6777 सत्यापित करें। यदि यह सही नहीं है, तो कृपया नीचे दिए गए लिंक पर जाकर अपने बैंक खाते की जानकारी अपडेट करें, इसमें कहा गया है। करदाताओं को ऐसे धोखाधड़ी वाले संदेशों और ईमेल को आयकर विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर भेजना चाहिए। आप संदिग्ध ईमेल को webmanager@incometax.gov.in पर भेज सकते हैं। आप इसकी एक प्रति मअमदज/बमतज–पद.वतह.पद पर भी भेज सकते हैं। आयकर विभाग ने लिखा, ''यदि आपको कोई फ़िशिंग मेल प्राप्त होता है, तो उसे event@cert-in.org.in पर अग्रेषित करें।''

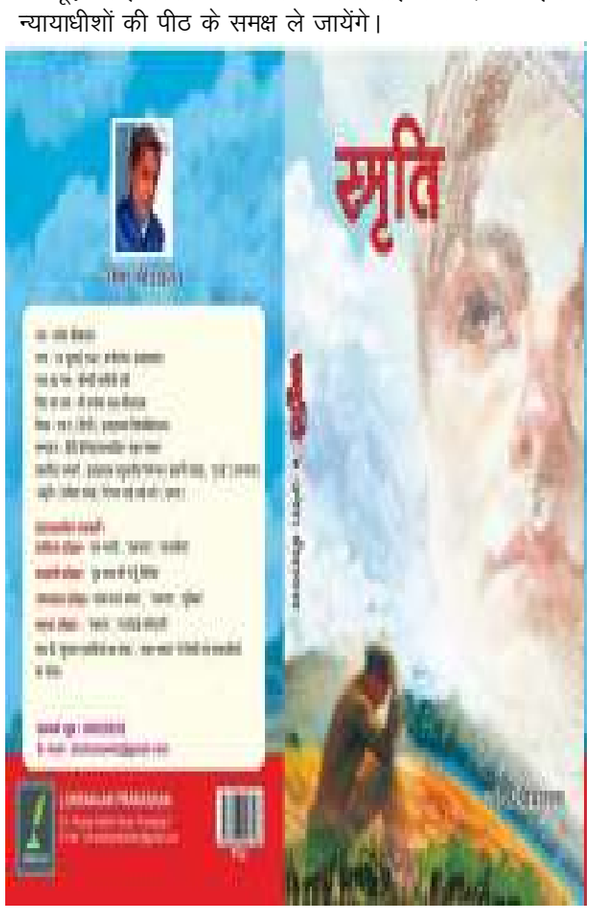

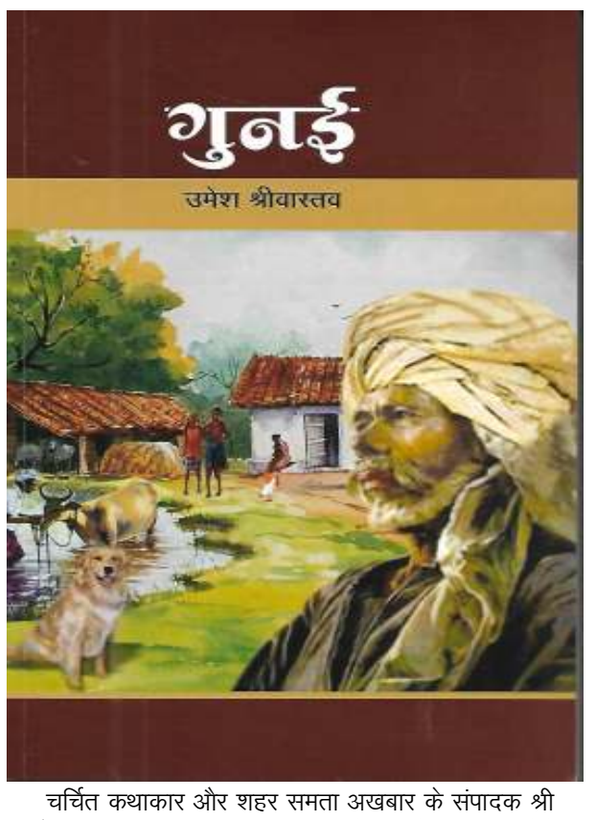

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

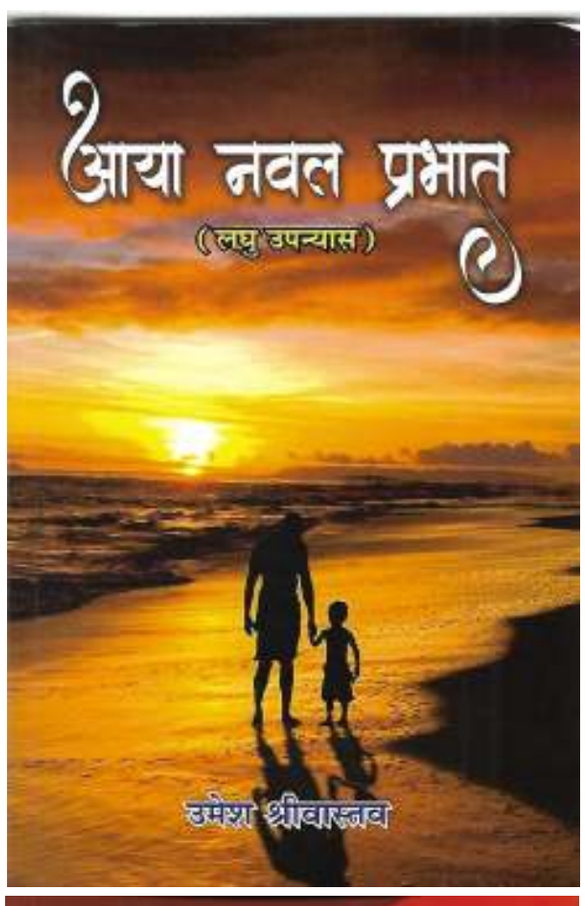

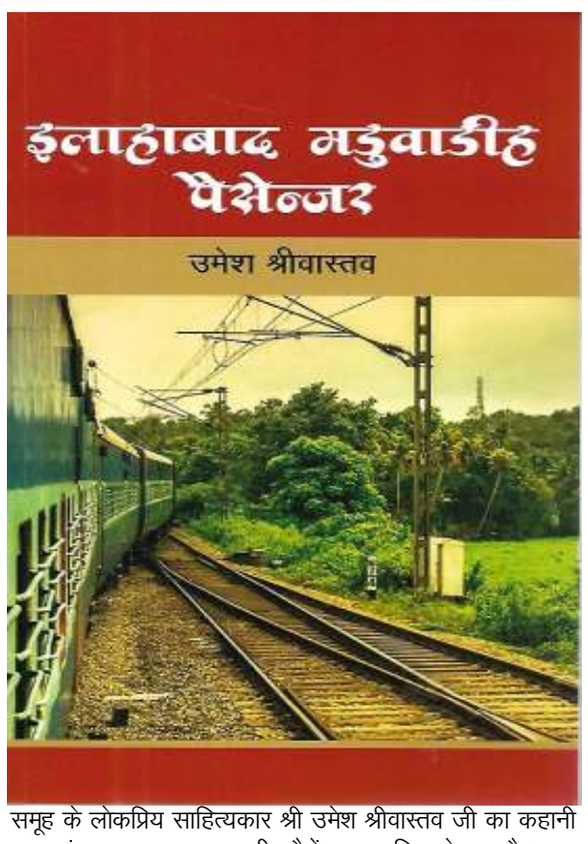

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

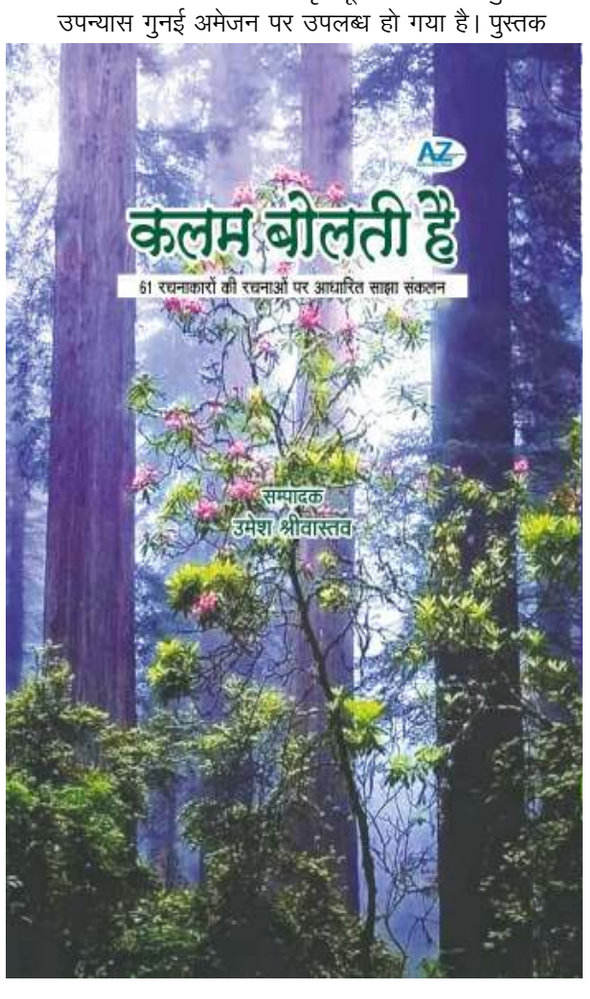

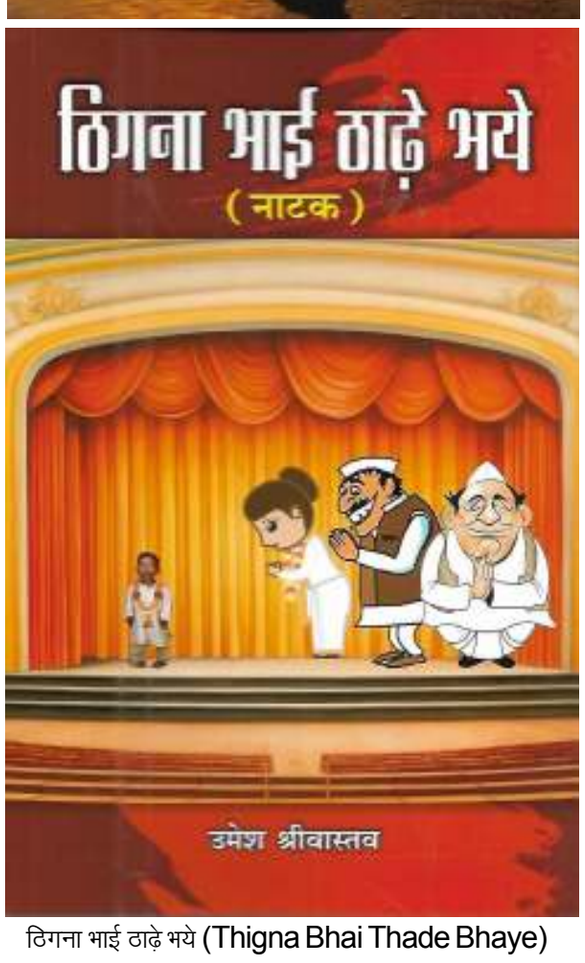

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त समाचार

कांगो में इस्लामिक स्टेट से जुड़े विद्रोहियों के हमले में 16 ग्रामीणों की मौत, 20 का अपहरण

उत्तर–पूर्वी कांगो में इस्लामिक स्टेट समूह से संबद्ध आतंकवादियों के हमलों में कम से कम 16 ग्रामीणों की मौत हो गई और 20 अन्य का अपहरण कर लिया गया। एक स्थानीय नागरिक समाज समूह ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। 'न्यू सिविल सोसायटी ऑफ कांगो' के समन्वयक जॉन वुल्वेरियो ने बताया कि 'एलीड डेमोक्रेटिक फोर्सेज' के हमलावरों ने इटुरी प्रांत के मम्बासा क्षेत्र में बुधवार और शुक्रवार के बीच स्थानीय लोगों

पर उस समय हमले किए, जब वे अपने खेतों में काम कर रहे थे। उन्होंने बताया, ''मृतकों की संख्या अभी स्पष्ट नहीं है, क्योंकि जो 20 अन्य लोग अपहृत किए गए हैं, उनकी कोई जानकारी नहीं है।'' स्थानीय मीडिया ने बताया कि अपहृत किए गए लोगों में एक स्थानीय सरकारी अधिकारी गिल्बर्ट शिवमवेंदा की मां और बहन भी शामिल हैं। कांगो के कई गांवों को सत्ता और मूल्यवान खनिज संसाधनों के लिए लड़ने वाले स्थानीय विद्रोहियों या चरमपंथी विचारधारा वाले आतंकवादी समूहों ने घेर लिया है।

नाइजीरिया में बंदूकधारियों ने 20 छात्रों का अपहरण किया

नाइजीरिया के उत्तर–मध्य क्षेत्र में बंदूकधारियों ने एक विश्वविद्यालय के छात्रों के वाहनों पर घात लगाकर हमला कर कम से कम 20 छात्रों का अपहरण कर लिया। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। बेन्यू राज्य पुलिस प्रवक्ता कैथरीन एनेन ने बताया कि छात्र जब मेडिकल छात्रों के एक सम्मेलन में शामिल होने के लिए दक्षिण की ओर जा रहे थे, तभी बृहस्पतिवार शाम को बेन्यू में उन पर घात लगाकर हमला किया गया। यह हमला बेनुए ओटुकपो मार्ग पर हुआ, जहां अपहरण की घटनाएं अक्सर होती रहती हैं। उत्तरी नाइजीरिया के कुछ हिस्सों में

अपहरण की इस तरह की घटनाएं आम हैं। दर्जनों सशस्त्र समूह सीमित सुरक्षा व्यवस्था का फायदा उठाकर गांवों और प्रमुख सड़कों पर हमले करते हैं। अधिकतर पीड़ितों को फिरौती की रकम चुकाने के बाद ही छोड़ा जाता है। इन हमलों की वजह से कई लोगों ने सड़क मार्ग से यात्रा करना छोड़ दिया है। बेन्यू में जिन छात्रों का अपहरण किया गया, वे उत्तरी नाइजीरिया के मैदुगुरी विश्वविद्यालय और जोस विश्वविद्यालय के थे। इन विश्वविद्यालयों के छात्र समूहों ने हमलों की निंदा की और अधिकारियों से अपहृत यात्रियों की रिहाई सुनिश्चित करने का आग्रह किया। यह अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है कि हमला किस समूह ने किया और बंधकों को कहां ले जाया गया। पुलिस ने बचाव प्रयासों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी है।

प. एशिया के मध्यस्थ अंतिम समझौते से पहले संघर्ष विराम समझौता लागू करने की तैयारी में जुटेरू : अमेरिका

अमेरिका के एक अधिकारी ने शुक्रवार को कहा कि इजराइल और हमास के बीच पिछले दस महीने से जारी युद्ध समाप्त करने के लिए मध्यस्थ अंतिम समझौते पर पहुंचने से पहले गाजा संघर्ष विराम और बंधक की रिहाई से संबंधित समझौते को लागू करने की तैयारी कर रहे हैं। अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि वर्तमान में जिस प्रस्ताव पर चर्चा की जा रही है, वह मूलतः इजराइल और हमास के बीच की सभी दूरियों को पाटने का काम करेगा। अमेरिकी अधिकारी की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब मध्यस्थों ने दोनों देशों के बीच शीघ्र ही समझौता होने की उम्मीद जताई है।

गाजा में 10 माह के बच्चे में पोलियो का पहला मामला सामने आया

युद्ध प्रभावित गाजा में वर्षों बाद पोलियो का पहला मामला सामने आया है। दीर अल–बलाह शहर में 10 माह के एक बच्चे में संक्रमण की पुष्टि हुई है। फलस्तीन के स्वास्थ्य अधिकारियों ने यह जानकारी दी। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि बच्चे में पोलियो के लक्षण दिखाई देने के बाद जांच कराई गई, जिसमें संक्रमण की पुष्टि हुई। इस बच्चे को पोलियो रोधी टीके की एक भी खुराक हासिल नहीं हुई थी। यह संक्रमण आम तौर पर पांच

साल के कम उम्र के बच्चों में होता है और दूषित जल आदि से फैलता है। पाकिस्तान और अफगानिस्तान ऐसे देश हैं, जहां पोलियो का संक्रमण कभी थमा ही नहीं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने इस मामले में कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। हालांकि, संयुक्त राष्ट्र बाल एजेंसी (यूनिसेफ) ने इजराइल और हमास से सात दिन के लिए युद्ध रोकने की मांग की है, ताकि 6,40,000 फलस्तीनी बच्चों को पोलियो से बचाव का टीका दिया जा सके। अधिकारियों ने बताया कि पिछले महीने गाजा के दो प्रमुख शहरों के अपशिष्ट जल में पोलियो का वायरस पाया गया था। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, क्षेत्र पिछले 25 वर्षों से पोलियो मुक्त है।

बांग्लादेश की हिंसा में 650 के करीब लोगों की हुई मौत, संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में दावा

ढाका। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया है कि बांग्लादेश में हालिया हिंसा में करीब 650 लोगों की मौत हुई। संयुक्त राष्ट्र ने कहा है कि हिंसा, गिरफ्तारियों और न्यायिक हिरासत में मौत की घटनाओं की निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से जांच होनी चाहिए। संयुक्त राष्ट्र ने बांग्लादेश हिंसा पर 10 पेज की एक रिपोर्ट तैयार की है। रिपोर्ट के अनुसार, 16 जुलाई से 4 अगस्त के बीच हिंसा में करीब 400 लोगों की मौत हुई। वहीं 5–6 अगस्त को हुई हिंसा में करीब 250 लोगों की जान गई थी, जिसके चलते शेख हसीना को अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा। विभिन्न मीडिया रिपोर्ट्स और आंदोलनकारी संगठनों ने भी जुलाई से अगस्त में आरक्षण विरोधी प्रदर्शन के दौरान 600 लोगों की मौत की बात कही थी। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय ने शुक्रवार को जिनेवा में यह रिपोर्ट जारी की। रिपोर्ट के अनुसार, मरने वालों में प्रदर्शनकारी, मूकदर्शक, पत्रकार और विभिन्न बलों के सुरक्षाकर्मी शामिल हैं। हिंसा में हजारों की संख्या में लोग घायल भी हुए हैं। यूएन की रिपोर्ट में ये भी आशंका जताई गई है कि मृतकों का आंकड़ा इससे भी ज्यादा हो सकता है क्योंकि कई इलाकों में कर्फ्यू लगा होने के चलते उन्हें जानकारी इकट्ठा करने में परेशानी का सामना करना पड़ा। सरकार द्वारा भी अस्पतालों को जानकारी देने से रोका जा रहा है। बांग्लादेश में आरक्षण के विरोध में जून में विरोध प्रदर्शन शुरू हुए थे। विरोध प्रदर्शन के दौरान सुरक्षा बलों द्वारा मानवाधिकार उल्लंघन के भी आरोप लगे। रिपोर्ट में कहा गया है कि सुरक्षा बलों द्वारा प्रदर्शनकारियों के खिलाफ सख्ती से निपटा गया, जिससे हालात बिगड़े। रिपोर्ट में कहा गया है कि धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ भी लूटपाट, तोड़फोड़ और आगजनी की घटनाएं हुईं। साथ ही आवामी लीग के कार्यकर्ताओं और नेताओं की प्रतिशोध की भावना से भी हत्याएं की गईं। रिपोर्ट में कहा गया है कि बांग्लादेश में कानून व्यवस्था को तेजी से बहाल करने की जरूरत है। साथ ही हिंसा के दोषियों के खिलाफ जवाबदेही तय करने की जरूरत बताई गई है।

तुर्किये की संसद बनी अखाड़ा, 30 मिनट तक चले लात-घूंसे, कई सांसदों के चेहरे से निकलने लगा खून

तुर्की की संसद में शुक्रवार हाथापाई का दौर देखने को मिला। ऐसा तब हुआ जब सांसदों ने एक विपक्षी नेता के भाग्य पर चर्चा करने के लिए बैठक की। विपक्षी नेता को इस साल की शुरुआत में सरकार विरोधी प्रदर्शनों के आयोजन के आरोप में जेल भेजा गया था। हालांकि, अदालत ने उन्हें बड़ी राहत दी थी। देश की संवैधानिक अदालत द्वारा सांसद कैन अताले को उनकी सीट से हटाने के संसद के फैसले को खारिज कर दिया था। इसी के बाद निष्कासित सांसद के संसद में फिर से प्रवेश पर चर्चा करने के लिए सत्र बुलाया गया था। संसद सत्र के वीडियो फुटेज में, सत्तारूढ़ जस्टिस एंड डेवलपमेंट पार्टी (एकेपी) के सांसदों को वामपंथी वर्कर्स पार्टी ऑफ टर्की (टीआईपी) के नेता अहमत सिक को मुक्का मारने के लिए दौड़ते हुए देखा जा सकता है। बताया जा रहा है कि पूर्व फुटबॉलर और एर्दोगन की सत्तारूढ़ एकेपी पार्टी के सांसद अल्पे ओजालान द्वारा सिक की ओर बढ़ने और उन्हें धक्का देकर जमीन पर गिराने के बाद हाथापाई शुरू हो गई। इसके बाद एकेपी के सांसदों ने उन्हें कई बार जमीन पर घूंसे मारे। इस हाथापाई में कम से कम दो विपक्षी सांसद घायल हो गए, और स्पीकर के पोडियम की सफेद सीढ़ियों पर खून के छींटे पड़े थे। हिंसा की निंदा करते हुए मुख्य विपक्षी सीएचपी पार्टी के प्रमुख ओजगुर ओजेल ने कहारू ष्मुझे इस स्थिति को देखकर शर्म आती है।'' वकील और अधिकार कार्यकर्ता अताले को 2013 में देशव्यापी गीज़ी पार्क विरोध प्रदर्शन के जरिए सरकार को उखाड़ फेंकने की कोशिश करने के आरोप में 2022 में 18 साल जेल की सजा सुनाई गई थी। समाचार एजेंसी एएफपी ने बताया कि उनके साथ पुरस्कार विजेता परोपकारी उस्मान कवला को भी आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। अताले उन सात प्रतिवादियों में से एक हैं जिन्हें 2022 में विवादास्पद मुकदमे के बाद सज़ा सुनाई गई है। हालाँकि, अपनी कैद के बावजूद, 48 वर्षीय अताले ने मई 2023 में भूकंप से तबाह हुए हाटे प्रांत से आम चुनाव लड़ा, जिसमें उन्होंने ज्च् का प्रतिनिधित्व किया। 1 अगस्त, 2023 को, संसद ने अताले को उनकी सीट से हटाने का फ़ैसला किया, लेकिन संवैधानिक न्यायालय ने फ़ैसले को पलट दिया और उनके निष्कासन को ष्अमान्यष घोषित कर दिया। इससे पहले, तुर्की की संसद ने विपक्षी नेताओं के अभियोजन से उन्मुक्ति को हटाने के लिए मतदान किया था, जिन्हें सरकार ष्आतंकवादीष मानती है।

क्या डोनाल्ड ट्रम्प का समर्थन करने जा रही हैं तुलसी गबार्ड? कमला हैरिस के साथ बहस से पहले चर्चा तेज

डेमोक्रेटिक उम्मीदवार कमला हैरिस के साथ अपनी पहली राष्ट्रपति बहस से कुछ दिन पहले, डोनाल्ड ट्रम्प को अपनी तैयारियों के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी की पूर्व नेता तुलसी गबार्ड से मदद मिली है। द न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति ने 10 सितंबर की बहस में हैरिस के खिलाफ अपने हमलों को तेज करने में मदद के लिए गबार्ड की मदद ली है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब राष्ट्रपति जो बिडेन ने ट्रम्प के साथ बहस में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद दबाव में आकर राष्ट्रपति पद की दौड़ से बाहर होने के बाद हैरिस के लिए उत्साह बढ़ा दिया है। गबार्ड, जिन्होंने 2020 के राष्ट्रपति पद के लिए अपनी बोली के बाद डेमोक्रेटिक पार्टी छोड़ दी थी, कथित तौर पर रिपब्लिकन के निजी क्लब और घर, मार–ए–लागो में अभ्यास

सत्रों के दौरान ट्रम्प की मदद कर रही हैं। डोनाल्ड ट्रम्प की प्रवक्ता कैरोलिन लेविट ने न्यूयॉर्क टाइम्स से इस घटनाक्रम की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि पूर्व राष्ट्रपति ने राजनीतिक इतिहास में सबसे अच्छे वाद–विवादकर्ताओं में से एक साबित किया है, जैसा कि जो बिडेन को उनके द्वारा दिए गए करारी शिकस्त से पता चलता है। उन्हें पारंपरिक वाद–विवाद की तैयारी की आवश्यकता नहीं है, लेकिन वे तुलसी गबार्ड जैसे सम्मानित नीति सलाहकारों और प्रभावी संचारकों से मिलना जारी रखेंगे, जिन्होंने 2020 में वाद–विवाद के मंच पर कमला हैरिस को सफलतापूर्वक मात दी थी। वहीं, 'वाशिंगटन पोस्ट' ने अपने सर्वेक्षण के परिणामों के आधार पर जानकारी दी है कि अगर अमेरिका में आज चुनाव होते हैं तो डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार और मौजूदा उपराष्ट्रपति कमला हैरिस लोगों की पहली पसंद होंगी। अमेरिका के दैनिक समाचार पत्र वाशिंगटन पोस्ट ने बृहस्पतिवार को कहा, ''बाइडन के चुनाव से अपना नाम वापस लेने के बाद से अब तक हैरिस ने लोकप्रियता के मामले में राष्ट्रीय स्तर पर दो प्रतिशत अधिक अंक प्राप्त किए हैं और रविवार तक वह आगे दिखाई दे रही हैं।''

हमास का गाजा पर नया पैंतरा! नई युद्धविराम शर्तों को कर दिया खारिज, अधर में लटकी अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन की कूटनीतियां

हमास ने शुक्रवार को कहा कि उसने गाजा में संघर्ष विराम के प्रस्ताव में ष्नई शर्तोंष को खारिज कर दिया है, जिसे कतर में दो दिनों की वार्ता के दौरान अमेरिकी नेतृत्व वाले मध्यस्थों ने पेश किया था। 10 महीने से अधिक समय से चल रहे युद्ध में झेली गई पीड़ा को कम करने के लिए कूटनीतिक प्रयास अब तक विफल रहे हैं, लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने वार्ता के नवीनतम दौर के बाद जोर देकर कहा कि ष्हम पहले से कहीं ज्यादा करीब हैंष। विदेश विभाग ने कहा कि वह नवीनतम प्रस्ताव को आगे बढ़ाने के लिए इस सप्ताहांत अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन को इजरायल भेज रहे हैं। मिस्र, कतर और अमेरिकी मध्यस्थ मई में बिडेन द्वारा शुरू में रेखांकित किए गए ढांचे के विवरण को अंतिम रूप देने की कोशिश कर रहे हैं, जिसे उन्होंने कहा कि इजरायल ने प्रस्तावित किया था। एक संयुक्त बयान में, मध्यस्थों ने कहा कि उन्होंने दोनों पक्षों को एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया है जो ष्शेष अंतराल को पाटता हैष और आने वाले दिनों में मानवीय प्रावधानों और बंधक–कैदियों की अदला–बदली पर बारीकियों को सुलझाने के लिए काम करना जारी रखेंगे। एक त्वरित सौदे को सुरक्षित करने के उद्देश्य से वार्ता ष्अगले सप्ताह के अंत से पहलेष काहिरा में फिर से शुरू होने वाली है। हमास, जो दोहा वार्ता में शामिल नहीं हुआ था, ने नवीनतम योजना में इजरायल की ओर से ष्नई शर्तोंष के विरोध की घोषणा की। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने मध्यस्थों से हमास पर बिडेन के ढांचे को स्वीकार करने के लिए ष्दबावष डालने का आह्वान किया। ईरान और उसके सहयोगियों द्वारा इजरायल पर हमला करने की धमकियों ने गाजा युद्धविराम को समाप्त करने के प्रयासों में नई तत्परता ला दी है, मध्यस्थ व्यापक क्षेत्रीय संघर्ष को समाप्त करने की उम्मीद में एक समझौते की मांग कर रहे हैं। बाइडेन ने चेतावनी दी, ष्क्षेत्र में किसी को भी इस प्रक्रिया को कमजोर करने के लिए कार्रवाई नहीं करनी चाहिए,ष बाद में पत्रकारों से कहा, ष्बस कुछ और मुद्दे हैं, मुझे लगता है कि हमारे पास एक मौका है।

विनाशकारी परिणाम

एक जानकार सूत्र ने एएफपी को बताया कि हमास ने मिस्र के साथ गाजा की सीमा पर इजरायली सैनिकों को रखने और इजरायली बंधकों के बदले फिलिस्तीनी कैदियों की रिहाई से संबंधित शर्तों पर आपत्ति जताई थी। हालांकि, पश्चिमी सहयोगी जॉर्डन ने सौदे को रोकने के लिए नेतन्याहू को दोषी ठहराया, विदेश मंत्री अयमान सफादी ने ष्इस सौदे को पूरा होते देखने की इच्छा रखने वाले सभी लोगों सेष दबाव बनाने का आग्रह किया।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।